दैनिक बुद्ध का संदेश

हिन्दी समाचार पत्र

एक विश्वास...

बलरामपुर
शुक्रवार ,20 फरवरी 2026
वर्ष: 05 अंक : 139 पृष्ठ: 8
आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, रामपुर, रायबरेली, में एक साथ प्रसारित ।

सम्पादक : राजेश शर्मा

9415163471, 9453824459 Dainik Budh ka sandesh @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com

सिद्धार्थनगर होगा डिजिटल रूप से सशक्त : सांसद जगदंबिका पाल ने केंद्रीय राज्य मंत्री से मिलकर रखी विकास की योजना

दैनिक बुद्ध का संदेश

नई दिल्ली। सिद्धार्थनगर जनपद को डिजिटल इंडिया की मुख्यधारा से पूरी तरह जोड़ने और संचार सेवाओं को आधुनिक बनाने के लिए आज एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। देश की राजधानी नई दिल्ली में सांसद जगदंबिका पाल ने भारत सरकार के दूरसंचार एवं डाक विभाग के माननीय राज्य मंत्री डॉ. चंद्रशेखर पेम्मासानी से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान जनपद की संचार समस्याओं और भविष्य के विकास कार्यों पर गहन चर्चा हुई। प्रमुख विकास कार्यों पर जोर हर गांव, हर घर तक इंटरनेट बैठक में सांसद जगदंबिका पाल ने नेशनल ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क के विस्तार की मांग को प्रमुखता से उठाया। उन्होंने आग्रह किया कि डिजिटल कनेक्टिविटी को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाया जाए। जनपद की प्रत्येक ग्राम पंचायत और सीमावर्ती क्षेत्रों में वाई–फाई सुविधा सुलभ कराई जाए। ध्हर नेटवर्क कनेक्टिविटी को सुदृढ़ करने पर विशेष बल दिया। उन्होंने मांग की कि वर्तमान

गांव और हर घर तक मोबाइल टावरों की क्षमता बढ़ाई जाए। आवश्यकतानुसार नए मोबाइल टावर स्थापित किए जाएं। महत्वपूर्ण बिंदु बेहतर दूरसंचार सुविधा न केवल आम नागरिकों के लिए जीवन सुगम बनाएगी, बल्कि सीमावर्ती क्षेत्र में राष्ट्रीय सुरक्षा और प्रशासनिक कार्यों में भी मील का पत्थर साबित होगी। डाक सेवाओं का होगा आधुनिकीकरण चर्चा का एक मुख्य हिस्सा डाक सेवाओं का विस्तार भी रहा। ग्रामीण क्षेत्रों के डाकघरों को अब नए जमाने की डिजिटल सेवाओं से लैस किया जाएगा। सांसद ने डाक सेवाओं के आधुनिकीकरण और जनसुविधाओं में वृद्धि की आवश्यकता पर बल दिया ताकि दूर–दराज के गांवों में भी बैंकिंग और अन्य सरकारी सेवाएं आसानी से मिल सकें। मंत्री जी ने दिया ठोस आश्वासन केंद्रीय राज्य मंत्री डॉ. चंद्रशेखर पेम्मासानी ने सांसद द्वारा प्रस्तुत सभी विषयों को गंभीरता से सुना। उन्होंने सिद्धार्थनगर के समग्र विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए समस्याओं के त्वरित समाधान और आवश्यक विभागीय कार्यवाही करने का आश्वासन दिया।

मिशन शक्ति 5.0 के तहत रेकहट में बहू-बेटी सम्मेलन संपन्न, महिलाओं को नए कानूनों और सुरक्षा के प्रति किया जागरूक

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जनपद में नारी सुरक्षा, नारी सम्मान और नारी स्वावलंबन को धरातल पर उतारने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह सक्रिय है। पुलिस अधीक्षक अभिषेक महाजन के निर्देशन में चलाए जा रहे शमिशन क्ति अभियान के तहत आज थाना ढेबरुआ के ग्राम रेकहट में एक भव्य बहू–बेटी सम्मेलन का आयोजन किया गया। वरिष्ठ अधिकारियों के पर्यवेक्षण में हुआ आयोजन ध्अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद के पर्यवेक्षण और क्षेत्राधिकारी शोहरतगढ़ मयंक द्विवेदी के कुशल मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम का नेतृत्व थाना प्रभारी दुर्गा प्रसाद ने किया। मिशन शक्ति फेज 5.0 के अंतर्गत आयोजित इस कार्यक्रम में ग्राम रेकहट की लगभग 50 महिलाओं और बालिकाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। ध्नए कानून और साइबर सुरक्षा की दी गई

जानकारी ध्कार्यक्रम के दौरान पुलिस टीम ने महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण जानकारियां साझा कीं ध्नए कानून केंद्र सरकार द्वारा लागू किए गए तीन नए कानूनों के बारे में विस्तार से बताया गया और कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया। ध्दहेज उत्पीड़न समाज में व्याप्त दहेज जैसी कुरीतियों के विरुद्ध आवाज उठाने और कानूनी मदद लेने के तरीकों पर चर्चा हुई। ध्साइबर क्राइमरू महिलाओं को डिजिटल युग में होने वाले साइबर अपराधों से बचने और सुरक्षित इंटरनेट बैंकिंग व सोशल मीडिया उपयोग के टिप्स दिए गए। ध्हेल्पलाइन नंबरों की शक्ति ध्थाना प्रभारी दुर्गा प्रसाद ने महिलाओं को संकट के समय तत्काल सहायता प्राप्त करने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा जारी विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों को कंठस्थ कराया 112 पुलिस आपातकालीन सेवा 1090 वूमेन पावर हेल्पलाइन 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1930 साइबर अपराध हेल्पलाइन 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन 108/102 एंबुलेंस व स्वास्थ्य सेवा ध्टीम की सक्रिय सहभागिता ध्इस जागरूकता अभियान को सफल बनाने में उपनिरीक्षक (न.ए.) सोमनाथ शर्मा, कुंज बिहारी तिवारी, कांस्टेबल बृजेश गौतम सहित महिला कांस्टेबल श्रद्धा त्रिपाठी और बबिता सिंह का विशेष योगदान रहा। महिला पुलिसकर्मियों ने उपस्थित महिलाओं से सीधा संवाद कर उनकी समस्याओं को सुना और उन्हें निडर होकर समाज में रहने के लिए प्रेरित किया।

भुसौला माफी में गेहूं को चरते छुट्टा पशुओं के आतंक से किसान परेशान

दैनिक बुद्ध का संदेश

लोटन/सिद्धार्थनगर। क्षेत्र में छुट्टा पशुओं के आतंक से

छुट्टा पशुओं के फसलों को नुकसान पहुंचाने की कोई शिकायत नहीं आई है। यदि जानकारी मिली तो कुछ व्यवस्था जरूर की जाएगी।
सर्वेश मोहन, बीडीओ, लोटन

किसान परेशान हैं। ये पशु फसलों के दुश्मन बने हुए हैं। इससे किसानों को रातभर जागकर फसलों की सुरक्षा करनी पड़ रही है। थोड़ी सी चूक होने पर पशु फसलों को चट कर जा रहे हैं। किसानों का कहना है कि उनकी आर्थिक स्थिति फसल पर ही निर्भर करती है। उसी के भरोसे शादी–विवाह आदि कार्यक्रम व गृहस्थी चलती है। अगर फसल ही नष्ट हो गई तो खाने केभी लाले पड़ जाते हैं। क्षेत्र में छुट्टा पशु खुलेआम घूम रहे हैं और गोशालाएं खाली हैं। लोटन क्षेत्र के अस्थाई गोशालाओं के पशु बाहर घूम रहे हैं। उमेश, शिवशंकर पाण्डेय, मुकेशकुमार, घनश्याम, संजय, जयंत्री प्रसाद आदि किसानों का कहना है कि पशु खेत में लगी गेहूँ की फसल नष्ट कर रहे हैं। भुसौला माफी निवासी उमेश, हरिश्चंद्र, मुनिराम, परमेश्वर ने जिलाधिकारी को पत्र लिखकर छुट्टा पशुओं को पकड़वाने की मांग की है।

उर्मिला एजुकेशनल एकेडमी का दबदबा

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा जेईई मेंस (Jan) 2026 के परिणामों में उर्मिला एजुकेशनल एकेडमी के विद्यार्थियों ने अपनी मेधा का लोहा मनवाते हुए विद्यालय और जनपद का नाम रोशन किया है। परीक्षा परिणामों की घोषणा के बाद से ही विद्यालय परिसर में उत्सव का माहौल है। विद्यालय के छात्र विशाल कुमार ने 96 परसेंटाइल अंक प्राप्त कर संस्थान में शीर्ष स्थान बनाया। वहीं शिवांश मिश्रा (94.42:), अनुज मिश्रा (86:) और सर्वन पाल (86:) ने भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अपनी प्रतिभा को सिद्ध किया है। छात्रों की सफलता ने यह स्पष्ट कर दिया है कि सही मार्गदर्शन और दृढ़ संकल्प से किसी भी लक्ष्य को आसानी से प्राप्त किया जा सकता है। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए विद्यालय के प्रबंधक धीरेन्द्र शुक्ला और प्रबंध निदेशक विनय शुक्ला ने मेधावियों को मिठाई खिलाकर उनके उज्ज्वल भविष्य का आशीर्वाद दिया। उन्होंने कहा, यह सफलता शिक्षकों के समर्पण और विद्यार्थियों के कठिन परिश्रम का संयुक्त प्रतिफल है। हमारा उद्देश्य विद्यार्थियों को न केवल किताबी ज्ञान देना है, बल्कि उन्हें राष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पर्धाओं के लिए तैयार करना भी है। प्रधानाचार्या श्रीमती शशिप्रभा त्रिपाठी ने सभी सफल छात्र–छात्राओं को बधाई देते हुए कहा कि विद्यालय का उत्कृष्ट शैक्षणिक परिवेश ही ऐसी सफलताओं की नींव रखता है। विद्यालय परिवार ने विश्वास व्यक्त किया है कि ये छात्र आगामी श्जेईई एडवांसश में भी सफलता के नए कीर्तिमान स्थापित कर राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान देंगे।

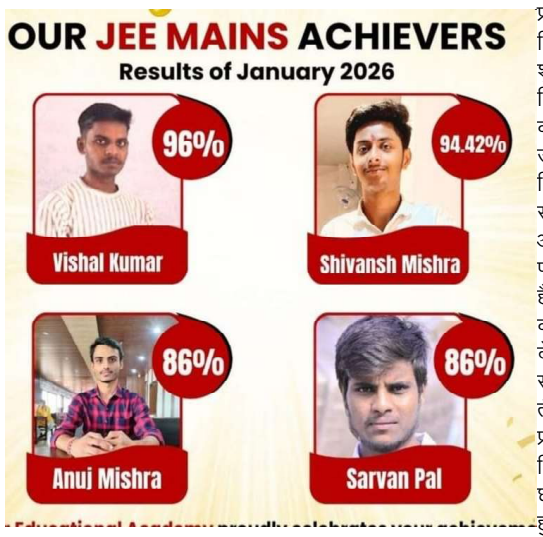

भारत–नेपाल सीमा के 78 गांवों में सजेगा श्गुरु गोरक्षनाथ स्वास्थ्य शिविर, 200 से अधिक डॉ. करेंगे निःशुल्क इलाज

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) द्वारा समाज सेवा के संकल्प को दोहराते हुए जनपद सिद्धार्थनगर के सीमावर्ती क्षेत्रों में एक विशाल स्वास्थ्य अभियान की शुरुआत की जा रही है। संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में सेवा ही परमो धर्मरू के ध्येय वाक्य के साथ 20, 21 और 22 फरवरी को जिले के 4 ब्लॉकों के 78 गांवों में निःशुल्क मेडिकल कैंप आयोजित किए जाएंगे। 200 विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम पहुंचेगी सिद्धार्थनगर विभाग प्रचारक राजीव नयन ने जिले में आयोजित एक बड़ी बैठक को संबोधित करते हुए बताया कि इस श्गुरु गोरक्षनाथ स्वास्थ्य शिविर यात्राश के लिए देश के प्रतिष्ठित मेडिकल कॉलेजों और संस्थानों से 200 से अधिक विशेषज्ञ डॉक्टर सिद्धार्थनगर

पहुंच रहे हैं। यह लगातार छठवीं बार है जब संघ द्वारा इतने बड़े स्तर पर स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इन संगठनों का मिलेगा सहयोग इस वृहद अभियान को सफल बनाने के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के साथ–साथ विभिन्न अनुषांगिक संगठन पूरी ताकत से जुटे हैं संगठन नेशनल मेडिकल ऑर्गेनाइजेशन, सीमा जागरण मंच, विद्या भारती, विश्व हिंदू परिषद और भारतीय जनता पार्टी। कार्यकर्ता लगभग 400 कार्यकर्ता और पदाधिकारी गांव–गांव जाकर तैयारियों को अंतिम रूप दे रहे हैं। हर गांव में इसके लिए विशेष कमेटियां बनाई गई हैं। ध्शिविर का समय और स्थान तारीख 20, 21 और 22 फरवरी 2026 समय प्रातः 9:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक। क्षेत्र लोटन, बढ़नी, बर्डपुर सहित सीमावर्ती 4 ब्लॉकों के चिन्हित 78 गांव। हमारा संकल्प है कि सर्वे सन्तु निरामयाः (सभी निरोगी हों)। ऐसे डॉक्टर जिनका समय मिलना मुश्किल होता है, वे स्वयं सीमावर्ती क्षेत्रों में आकर ग्रामीणों की सेवा करेंगे। यह संगठन की एक महत्वपूर्ण लोक–कल्याणकारी योजना है। राजीव नयन, विभाग प्रचारक तैयारियों में जुटे प्रमुख पदाधिकारी ध्इस अभियान की सफलता के लिए जिला संघ चालक गोकुल गोयल, जिला प्रचारक विशाल, जिला कार्यवाह शिवेंद्र सिंह, प्रधानाचार्य संतोष सिंह, और भाजपा जिला मंत्री अजय उपाध्याय सहित कई वरिष्ठ पदाधिकारी जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। जिला समन्वय के लिए महादेव जी, मदन मोहन और शंभू प्रसाद को विशेष दायित्व सौंपे गए हैं।

सिद्धार्थनगर में बाल श्रम और बंधुआ मजदूरी पर सख्ती के निर्देश

मानवाधिकार आयोग के स्पेशल मॉनिटर धनंजय टिगल ने अधिकारियों संग की समीक्षा बैठक

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के स्पेशल मॉनिटर धनंजय टिंगल ने गुरुवार को जनपद सिद्धार्थनगर में बाल श्रम और बंधुआ श्रम की स्थिति की समीक्षा की। इस दौरान रेस्ट हाउस में जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी, पुलिस अधीक्षक एवं सहायक श्रम आयुक्त, एएचटीयू, जिला प्रोबेशन अधिकारी के साथ बैठक कर संबंधित विभागों से अब तक की कार्रवाई और आगे की रणनीति पर चर्चा की गई। बैठक में स्पेशल मॉनिटर ने कहा कि बाल श्रम और बंधुआ मजदूरी जैसी कुप्रथाएं मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन हैं। उन्होंने निर्देश दिया कि ऐसे मामलों में जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जाए तथा दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही, बचाए गए बच्चों के पुनर्वास, शिक्षा एवं कौशल विकास की समुचित व्यवस्था करने पर भी जोर दिया। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने बताया कि जनपद में समय–समय पर श्रम विभाग, पुलिस और प्रशासन की संयुक्त टीमों द्वारा छापेमारी अभियान चलाया जाता है। संदिग्ध प्रतिष्ठानों, ईंट–भट्ठों और निर्माण स्थलों की नियमित जांच की जा रही है। बाल श्रम पाए जाने पर नियमानुसार कार्यवाही कराई जाती है और बच्चों को पुनर्वास की कार्रवाई की जाती है। पुलिस अधीक्षक डॉ.अभिषेक महाजन ने अवगत कराया कि बंधुआ श्रम की शिकायत मिलने पर तत्काल टीम द्वारा कार्यवाही की जाती है। उन्होंने आमजन से भी अपील की कि यदि कहीं बाल श्रम या बंधुआ मजदूरी की सूचना मिले तो तत्काल प्रशासन को सूचित करें। सहायक श्रम आयुक्त सचिन कुमार सिंह ने बताया कि श्रम विभाग द्वारा जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को बाल श्रम निषेध कानून और बंधुआ मजदूरी उन्मूलन अधिनियम की जानकारी दी जा रही है। साथ ही, श्रमिकों का पंजीकरण एवं विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित करने की प्रक्रिया भी जारी है।बैठक के अंत में स्पेशल मॉनिटर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे विभागीय समन्वय को और मजबूत करें तथा प्रत्येक प्रकरण की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि बच्चों का बचपन सुरक्षित रखना और श्रमिकों को शोषण से मुक्त कराना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। स्पेशल मॉनिटर द्वारा अपेक्षा की गई कि बाल श्रम के मामलों में जनपद के सभी अधिकारी संवेदनशील रहें और अपने दायित्वों का निर्वहन करें, उनके द्वारा अपेक्षा की गई कि बीडीओ, एसडीएम, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, खंड शिक्षा अधिकारी भी बाल श्रम के मामलों में निरीक्षक घोषित हैं। अतः इनके द्वारा भी बाल श्रम के मामलों में कार्यवाही की जाए तथा उपस्थित एनजीओ प्रतिनिधियों से अपेक्षा की गई कि बाल श्रमिकों का पुनर्वासन कराया जाए और उन्हें विभिन्न विभागीय योजनाओं से जोड़ा जाए, जिससे बाल श्रम से हटाए गए बच्चे पुनः बाल श्रम की तरफ न लौटें। अंत मे बाल श्रम से मुक्त कराए गए तीन बच्चों एवं एवं उनके परिजनों से स्पेशल मॉनिटर से मुलाकात भी की और उनकी वर्तमान स्थिति की जानकारी ली। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह, जिला प्रोबेशन अधिकारी विनय कुमार सिंह, श्रम प्रवर्तन अधिकारी उज्ज्वल त्रिपाठी, पुलिस क्षेत्राधिकारी विश्वजीत शौरयान, एएचटीयू निरीक्षक मनोज कुमार श्रीवास्तव, मुख्य आरक्षी गंगेश सिंह,मानव संसाधन एवं महिला विकास संस्थान के डिस्ट्रिक लीड प्रसून कुमार, एमआईएस रोहित रंजन, डीसी जय प्रकाश गुप्ता, एवीए से अभिनव द्विवेदी, सन्दीप कुमार मद्धेशिया, अरुण कुमार मद्धेशिया आदि उपस्थित रहे।

घर के सामने क्रिकेट खेलने से रोका तो मारा पीटाः दोषियों के गिरफ्तारी की मांग

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। मुण्डेरवा थाना क्षेत्र के कबरा डिहवा गांव में घर के सामने क्रिकेट खेलने से रोकने पर विवाद, मारपीट का मामला सामने आया है। इस सम्बन्ध में मुण्डेरवा पुलिस मुकदमा पंजीकृत कर मामले की जांच कर रही है। मारपीट के दौरान 5 घायलों में से दो का जिला अस्पताल में उपचार चल रहा है। मुण्डेरवा थाना क्षेत्र के कबरा डिहवा निवासिनी लालमति पत्नी रामसकल ने तहरीर में कहा है कि गत 18 फरवरी की सुबह उनके गाँव में नितेश पुत्र अशोक व गाँव के कुछ लड़के उनके घर के सामने क्रिकेट खेल रहे थे और उनका गेंद बार–बार घर में आ रहा था। उनके पति राम सकल नितेश से बोले की कही और जाकर खेल लो तो नितेश ने कहा की मैं यही खेलूँगा और मना किया तो माँ बहन की भददी–भददी गालियाँ देते हुए, उनके पति को गला पकड़कर मारने–पीटने लगा। उसके बाद जब लोग जब झगडा शांत कराकर नितेश पुत्र अशोक को उसके घर भेजे तो नितेश कुछ देर बाद अपने घर वालो डॉक्टर पुत्र राम जतन व आकाश पुत्र व सरोज व अमन `ध्व मनोज को लेकर मेरे घर में घुस कर मेरे बेटे अशोक कुमार व राम सकल, बेटी माया पति राम सकल, उसे और अतुल पुत्र आशुतोष को हांकी व लाठी–डंडे से बेरहमी से मारा पीटा। उनके बेटे व बेटी का सर फूट गया और धमकी दिए की तुम लोगो को जान से मार देंगे हमारा कोई कुछ नहीं बिगाड़ पायेगा। लालमति ने पूरे मामले की जांच कराकर दोषियों को गिरफ्तार किये जाने की मांग किया है।

बरेका में 18वीं अंतर रेलवे हैंडबॉल प्रतियोगिता (2025-26) के दूसरे दिन जोश और रोमांच चरम पर

दैनिक बुद्ध का संदेश

वाराणसी। सबनारस रेल इंजन कारखाना (बरेका) में बरेका खेल संघ के तत्वावधान में बरेका खेलकूद स्टेडियम में आयोजित 18वीं अंतर रेलवे हैंडबॉल प्रतियोगिता के दूसरे दिन खेल प्रेमियों को जबरदस्त रोमांच, ऊर्जा और उत्कृष्ट खेल कौशल देखने को मिला। देश के विभिन्न रेलवे जोनों/उत्पादन इकाइयों से आई हुई टीमों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रतियोगिता को जोश एवं रोमांच से भर दिया है। प्रातः कालीन सत्र में खेले गए मैचों में पुरुष वर्ग में बरेका ने दक्षिण मध्य रेलवे को 19–13 से, पूर्वोत्तर रेलवे ने दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे को 28–10 से, उत्तर रेलवे ने उत्तर पश्चिम रेलवे को 24–21 से, पश्चिम रेलवे ने पटियाला लोकोमोटिव वर्क्स को 10–07 से एवं महिला वर्ग में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने उत्तर रेलवे को 24–16 व दक्षिण मध्य रेलवे ने पूर्वोत्तर रेलवे को 27–15 से हराया। सायं कालीन सत्र में दक्षिण मध्य रेलवे ने रेलवे बोर्ड को 11–02 से, पटियाला लोकोमोटिव वर्क्स ने रेलवे सुरक्षा बल को 22–21 से, उत्तर रेलवे ने बरेका को 22–19 से एवं पश्चिम रेलवे ने दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे को 13–01 से हराया। प्रातः कालीन सत्र में खेले गए मैचों में पुरुष वर्ग में उत्तर पश्चिम रेलवे ने बरेका को 29–19 से, उत्तर रेलवे ने रेलवे बोर्ड को 07–04 से, रेलवे सुरक्षा बल ने दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे को 08–04 से हराया जबकि पूर्वोत्तर रेलवे और पश्चिम रेलवे के बीच खेल गया रोमांचक मैच 17–17 की बराबरी पर समाप्त हुआ। महिला वर्ग में खेले गए मैचों में पूर्वोत्तर रेलवे ने मध्य रेलवे को 22–18 से एवं उत्तर रेलवे ने पश्चिम रेलवे को 19–14 से हराया। प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों के बेहतरीन तालमेल और सशक्त रक्षा कौशल का अद्भुत प्रदर्शन देखने को मिल रहा है। इस अवसर पर मैदान में उपस्थित दर्शकों ने खिलाड़ियों का लगातार उत्साहवर्धन करते हुए वातावरण को जोश और ऊर्जा से भरपूर बनाए रखा।

निःशुल्क चिकित्सा शिविर में 120 का उपचार

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। गुरूवार को प्रेस क्लब सभागार में क्लब अध्यक्ष विनोद कुमार उपाध्याय और पदाधिकारियों के संयोजन में पत्रकारों के लिये निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 120 लोगों को उपचार, शुगर, वी. पी., हीमोग्लोबिन की जांच के साथ ही निःशुल्क एलोपैथ और होम्योपैथ की दवायें उपलब्ध करायी गयी। क्लब अध्यक्ष विनोद कुमार उपाध्याय और महामंत्री महेन्द्र तिवारी ने बताया कि पत्रकारों उनके परिजनों के बेहतर स्वास्थ्य के लिये समय–समय पर शिविर कराये जाते हैं। चिकित्सा शिविर में पटेल एस.एम.एच. हास्पिटल के प्रबंधक एवं जिला चिकित्सालय के आयुष चिकित्साधिकारी डा. वी.के. वर्मा, डा. राजेश चौधरी, डा. एस.के. त्रिपाठी, डा. अतुल श्रीवास्तव, डा. कमल वर्मा, डा. एच.आर. वर्मा, डा. नरेन्द्र चौधरी, डा. राजेश पटेल के साथ ही स्वास्थ्य कर्मी जिला अस्पताल की अंजू सिंह, कीर्ति आनन्द, इमरान, संजय, अभिषेक के साथ ही पटेल एस.एम.एच. हास्पिटल गोटवा के मनीष चौधरी, विकास चौधरी, मनीष राना, आदर्श गुप्ता, शंकर यादव, जग प्रसाद, चित्रसेन पाण्डेय आदि ने योगदान दिया। निःशुल्क चिकित्सा शिविर को सम्पन्न कराने में प्रकाश चन्द्र गुप्ता, वशिष्ठ पाण्डेय, राघवेन्द्र प्रसाद मिश्र, राजेश पाण्डेय, विपिन बिहारी त्रिपाठी, संजय विश्वकर्मा, सर्वेश श्रीवास्तव, राजेन्द्र उपाध्याय पदाधिकारियों के साथ ही जयन्त मिश्र, पुनीत ओझा, अमर सोनी, अनिल पाण्डेय,ऋतिक कुमार, आनन्द गौतम, राकेश त्रिपाठी आदि ने योगदान दिया।

लोकतंत्र में जनता ही सरकार है – अभिषेक प्रताप शाह

दैनिक बुद्ध का संदेश

बढ़नी/सिद्धार्थनगर। पड़ोसी मित्र राष्ट्र नेपाल में चल रहे प्रतिनिधि सभा के चुनाव में सीमावर्ती कपिलवस्तु जिले के क्षेत्र नं0–03 के प्रत्याशी अभिषेक प्रताप शाह ने कहा कि लोकतंत्र में जनता ही राजा होती है, हम आपके सेवक हैं। कपिलवस्तु जिले के में शिवराज नगरपालिका नुक्कड़ सभा के दौरान क्षेत्र नं0–03 के नेपाली कांग्रेस से प्रतिनिधि सभा के उम्मीदवार अभिषेक प्रताप शाह ने कहा कि आप सभी जनता जनार्दन का स्वरूप है। लोकतंत्र में जनता ही राजा होती है। हम आपके पास आप से आपका अमूल्य मत आशीर्वाद के रूप में मांगने आये हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव में कई तरह के बहुरूपिए घूम रहे हैं, उनसे सावधान रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि मैं सदैव जनता की सेवा में पूरी ईमानदारी के साथ उपस्थित रहा हूं। जनता की सेवा करना, उनके सुख–दुख में हमेशा सहभागी रहना मैंने अपना कर्तव्य समझा है और निरन्तर जन सेवा के लिए प्रयत्नशील रहा हूं। उन्होंने जनता से अपील करते हुए कहा कि इस चुनाव में आप सभी को अपना सेवा करने वाला प्रतिनिधि चुनना है। उन्होंने कहा कि आप सभी का एक एक मत मैं कर्ज के रूप में शूद समेत आपकी सेवा करके चुकाऊंगा। उन्होंने समस्त जनमानस से अपील करते हुए कहा कि जिन्होंने कभी आपका हाल भी नहीं पूछा ऐसे भी लोग आषाढ़ के मेढक की तरह चुनाव में नजर आयेंगे ऐसे लोगों को करारा जवाब देने की जरूरत है, जिससे उन्हें सबक मिलें। उन्होंने कहा कि मैं तो सदैव आपके बीच में आपका भाई, आपका बेटा बनकर आपके बीच रहा हूं, अब आपकी बारी है। आपका हितैषी कौन है और आपके सुख–दुख का साथी कौन है। श्री शाह ने समस्त जनमानस से अपने पक्ष में लोगों से आशीर्वाद के रूप में मतदान करने की अपील की। जनसम्पर्क के दौरान अकील मियां, आशीष कौशल समेत भारी संख्या में लोग मौजूद रहे।

पूर्व लोकसभा प्रत्याशी अजय विश्वकर्मा ने दिया कार्यक्रम का आमंत्रण

दैनिक बुद्ध का संदेश

श्रावस्ती। विश्व कल्याण राष्ट्रीय मानव समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व लोकसभा प्रत्याशी (गाजीपुर) अजय विश्वकर्मा ने जनपद श्रावस्ती के भावी जिला पंचायत सदस्य, वार्ड नंबर 10 तथा पूर्व प्रधान किशोरी लाल विश्वकर्मा के आवास पर पहुंचकर कार्यक्रम का आमंत्रण पत्र सौंपा और कार्यक्रम को सफल बनाने का आग्रह किया।

इस अवसर पर किशोरी लाल विश्वकर्मा के निवास पर क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों एवं कार्यकर्ताओं की भारी संख्या में उपस्थिति रही। कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष अजय विश्वकर्मा ने उपस्थित लोगों से मुलाकात कर अपने विचार साझा किए और संगठन की भावी योजनाओं के बारे में जानकारी दी।उन्होंने पूर्व प्रधान किशोरी लाल विश्वकर्मा का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि क्षेत्र के लोगों का सहयोग और समर्थन संगठन को और मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित लोगों ने कार्यक्रम को सफल बनाने का भरोसा दिलाया।

केवटलिया पीड़ित परिवार से मिला सपा प्रतिनिधिमंडल

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के निर्देश पर गुरुवार को पार्टी का एक प्रतिनिधिमंडल जनपद सिद्धार्थनगर के शोहरतगढ़ विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम तालकुंडा, टोला केवटलिया पहुंचकर पीड़ित परिवार से मिला। प्रतिनिधिमंडल ने दबंगों की पिटाई से मृत महिला के परिजनों से मुलाकात कर संवेदना व्यक्त की और न्याय दिलाने का भरोसा दिया। जानकारी के अनुसार, थाना ढेवरूआ क्षेत्र के ग्राम तालकुंडा, टोला केवटलिया निवासी कृष्णावती पत्नी लालजी चौहान को दबंगों द्वारा बेरहमी से पीटा गया था, जिससे गंभीर रूप से घायल होने के बाद इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। परिजनों का आरोप है कि घटना के बाद भी पुलिस द्वारा आरोपियों के खिलाफ कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई है। घटना की जानकारी मिलने पर समाजवादी पार्टी के प्रतिनिधिमंडल में शामिल प्रदेश सचिव महेंद्र सिंह चौहान, जिलाध्यक्ष लालजी यादव, पूर्व प्रत्याशी अशोक चौहान एवं उग्रसेन सिंह, पूर्व विधायक अमर सिंह चौधरी, समाजवादी शिक्षक सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मणेन्द्र मिश्रा तथा विधानसभा अध्यक्ष हरिनारायण यादव सहित अन्य पदाधिकारी गांव पहुंचे। उन्होंने शोकाकुल परिवार से घटना की पूरी जानकारी ली और पार्टी की ओर से गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए हर संभव न्याय दिलाने का आश्वासन दिया। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए समाजवादी पार्टी हर स्तर पर संघर्ष करेगी और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित कराने के लिए प्रशासन पर दबाव बनाएगी। इस दौरान मृतका के पति लालजी चौहान, पुत्री प्रिया चौहान, प्रतिभा चौहान तथा पुत्र कुलदीप चौहान, सतीश चंद्र चौहान, बालजी चौहान, संजय चौहान सहित अन्य परिजन मौजूद रहे। प्रतिनिधिमंडल के साथ जिला उपाध्यक्ष इद्रीश पटवारी, पूर्व प्रमुख प्रदीप पथरकट्ट, अल्पसंख्यक सभा के जिलाध्यक्ष शकील शाह, अधिवक्ता अभिषेक चौहान, जनार्दन चौहान, राम जनम चौहान, जिला सचिव रामू यादव, सेक्टर प्रभारी हरिनाथ यादव, छात्र सभा के राष्ट्रीय सचिव अतुल शुक्ला, लोहिया वाहिनी के प्रदेश सचिव चंद्रहास यादव, गुड्डू सिंह, लवकुश सैनी, जय प्रताप यादव, अंगद यादव, सर्वेश मिश्रा, अशफाक, हारून, मदन गोपाल यादव, रामबृंद, बेचूलाल, रोहित चौरसिया, मोहब्बत अली सहित अन्य कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी को 10 वर्ष का कारावास

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। ऑपरेशन कन्विक्शनष के तहत चिन्हित अभियोगों में दोषी अभियुक्तों के विरुद्ध अधिकतम/त्वरित दण्डात्मक कार्यवाही हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है। जिसके अंतर्गत न्यायालय पीठासीन अधिकारी अरविन्द कुमार गौतम (ॅश्र/च्व्बैव् ।ब्ज) जनपद बहराइच द्वारा घटना कारित करने वाले अभियुक्त को दण्डित किया गया ।

पुलिस से प्राप्त सूचना के आधार पर वादिनी मुकदमा द्वारा थाना स्थानीय को सूचना दी गयी कि उनके पति सिलसिले मजदूरी लखनऊ में है तथा दिनांक 10.08.2023 को दोपहर करीब 01 बजे मेरी पुत्री(पीडिता) अपने खेत में निराई कर घर वापस आ रही थी कि इश्तियाक पुत्र भगेले उर्फ सलीम ने मेरी पुत्री को गांव के पास गन्ने के खेत में घसीट कर ले गया तथा मेरी पुत्री के साथ दुष्कर्म किया । जिसके सम्बन्ध में थाना बौण्डी में वादिनी द्वारा दिये गये लिखित प्रार्थना पत्र के आधार पर मु0अ0सं0 293/2023 धारा 376(3), 506 भा०दं०सं० व = पॉक्सो एक्ट बनाम इश्तियाक पंजीकृत किया गया ।

तत्कालीन विवेचक अन्जनी कुमार राय द्वारा साक्ष्य संकलन, गवाहों की गवाही व विवेचनात्मक कार्यवाही के उपरान्त अभियुक्त इश्तियाक उपरोक्त के विरुद्ध आरोप–पत्र दिनाँक 03.09.2023 को प्रेषित किया गया तथा न्यायालय द्वारा आरोप दिनांक 10.10.2023 को विरचित किया गया। उक्त अभियोग में न्यायालय/पीठासीन अधिकारी अरविन्द कुमार गौतम (ॅश्र/च्व्बैव् ।ब्ज) द्वारा प्रभारी थाना बौण्डी, मॉनीटरिंग सेल पुलिस कार्यालय बहराइच, सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता सन्त प्रताप सिंह तथा कोर्ट मोहर्रिर हे0का0 राहुल यादव तथा थाना पैरोकार का0 का0 अरविन्द चौरसिया की प्रभावी पैरवी के फलस्वरूप आज दोषी अभियुक्त इश्तियाक पुत्र भगेले उर्फ सलीम निवासी समदा थाना बौण्डी जनपद बहराइच को 10 वर्ष का कारावास एवं 20,000/– रूपये अर्थदण्ड से दण्डित किया गया ।

सनातन उद्घोष कथा महोत्सव में श्रीराम विवाह प्रसंग से भावविभोर हुए श्रद्धालु

दैनिक बुद्ध का संदेश

डुमरियागंज/सिद्धार्थनगर। नगर पंचायत बढ़नी चाफा के बरघाट स्थित श्री दुर्गा मंदिर परिसर में कर्मयोगी परिवार के तत्वावधान में श्री आदि शक्ति मां दुर्गा की प्राण प्रतिष्ठा के पावन अवसर पर श्री रुद्र महायज्ञ एवं सवा पाँच लाख पार्थिव शिवलिंग पूजन का भव्य आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में आयोजित सनातन उद्घोष कथा महोत्सव के पांचवें दिन गुरुवार को श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक रस का अद्भुत संगम देखने को मिला। कथा महोत्सव के दौरान साध्वी सरस्वती जी ने श्रीराम विवाह प्रसंग का अत्यंत मार्मिक, भावपूर्ण और रोचक वर्णन किया। उन्होंने बताया कि जनकपुरी में धनुष यज्ञ के आयोजन के समय महर्षि विश्वामित्र के साथ पहुंचे प्रभु श्रीराम ने शिवधनुष को अत्यंत सहजता और विनम्रता के साथ उठाकर उस पर प्रत्यंचा चढ़ाई। जैसे ही धनुष टूटने की दिव्य ध्वनि गूंजी, पूरा मिथिला नगर आनंद और उल्लास से झूम उठा। साध्वी सरस्वती जी ने अपने प्रवचन में बताया कि इस अलौकिक क्षण के साक्षी बनकर राजा जनक, सभागार में उपस्थित ऋषि–मुनि, राजागण और जनसामान्य हर्षित हो उठे। स्वयंवर की मर्यादा के अनुसार जनकनंदिनी माता सीता ने प्रभु श्रीराम के गले में वरमाला डालकर उन्हें अपना पति स्वीकार किया। उस समय आकाश से पुष्पवर्षा होने लगी और देवगण जय श्रीराम के उद्घोष के साथ प्रभु का जयगान करने लगे। कथा के दौरान जैसे–जैसे श्रीराम विवाह का प्रसंग आगे बढ़ा, श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। पूरा पंडाल भक्ति रस से सराबोर हो गया और श्रोतागण प्रभु श्रीराम व माता सीता की लीलाओं में तल्लीन दिखाई दिए। इस अवसर पर श्रीराम–सीता की भव्य एवं आकर्षक झांकी भी सजाई गई, जिसने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया और कथा स्थल पर आध्यात्मिक वातावरण को और अधिक दिव्य बना दिया। पूर्व विधायक राघवेन्द्र प्रताप सिंह व चेयरमैन धर्मराज वर्मा ने बताया कि सनातन उद्घोष कथा महोत्सव में बड़ी संख्या में श्रद्धालु प्रतिदिन पहुंचकर कथा श्रवण कर रहे हैं और पुण्य लाभ अर्जित कर रहे हैं। आयोजन समिति द्वारा श्रद्धालुओं की सुविधा, व्यवस्था और धार्मिक अनुष्ठानों को भव्य एवं सुव्यवस्थित रूप देने का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। इस दौरान सत्यवीर सिंह, डा. सीमा मिश्रा, मंटू पाण्डेय, राम प्रमोद यादव, केशव प्रसाद, रामनेवास यादव, जुग्गीलाल चौहान, कुंवर साहब उपाध्याय, शिव कुमार गुप्ता, जुग्गीलाल पासवान, सुनील यादव, मनोहर गौतम, चन्द्रपाल वर्मा, संतोष वर्मा, वीरेंद्र दुबे, झिनकन गौतम, इंद्रजीत यादव, अमित कुमार गुप्ता, शैलेन्द्र गुप्ता, प्रमोद गौतम सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

कलेक्ट्रेट में सैनिक बंधु की बैठक संपन्न पूर्व सैनिकों को थानों में सम्मान और आपदा टीम में शामिल करने पर बनी सहमति

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास कार्यालय द्वारा आज कलेक्ट्रेट सभागार में मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में सैनिक बंधु की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य सेवारत एवं सेवानिवृत्त सैनिकों और उनके आश्रितों की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करना था। बैठक में पूर्व सैनिकों ने अपनी समस्याओं और सुझावों को प्रमुखता से रखा, जिस पर मुख्य विकास अधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए सम्मान का प्रस्तावरू पूर्व सूबेदार मेजर नागेंद्रमणि त्रिपाठी ने सुझाव दिया कि 15 अगस्त और 26 जनवरी के अवसर पर प्रत्येक थाने में पूर्व सैनिकों को बुलाकर सम्मानित किया जाए। सीडीओ ने इस पर सकारात्मक रुख अपनाते हुए आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए। आपदा प्रबंधन में भागीदारी पूर्व सैनिकों ने बाढ़ एवं अन्य आपदाओं के समय सहायता के लिए जिला स्तर पर पूर्व सैनिक टीम गठित करने का प्रस्ताव रखा, जिसे प्रशासन ने गंभीरता से स्वीकार किया। प्रमाण–पत्र और भूमि विवाद एक पूर्व सैनिक द्वारा अपनी पुत्री के जन्म प्रमाण–पत्र के ऑनलाइन आवेदन के निस्तारण हेतु सीडीओ

ने तत्काल उप जिलाधिकारी नौगढ़ को निर्देशित किया। हथियार लाइसेंस पूर्व सूबेदार जगदम्बिका प्रसाद द्वारा नवीन गन लाइसेंस जारी करने के अनुरोध पर सीडीओ ने कहा कि आवेदन पत्र प्राप्त होने पर नियमानुसार विचार किया जाएगा। बैठक में पूर्व सूबेदार मेजर मानद कैप्टन महीप कुमार पाण्डेय ने नगर पालिका की दुकानों में पूर्व सैनिकों के लिए कोटा निर्धारित करने की मांग की। इस पर सीडीओ ने अवगत कराया कि नगर पालिका में जो दुकानें बनने वाली थीं, उनका प्रस्ताव फिलहाल निरस्त हो गया है। बैठक के दौरान सैनिकों के भूमि विवाद, पुलिस सहायता, बैंक ऋण, पेंशन संबंधी दिक्कतें, चिकित्सा एवं आर्थिक सहायता जैसे गंभीर विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक सदर, जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी कैप्टन (आई.एन.) नरेश शर्मा (अ. प्रा.), वरिष्ठ सहायक मनीष चंद्र त्रिपाठी, कनिष्ठ सहायक अशोक सिंह सहित समस्त स्टाफ और पूर्व सैनिक/ आश्रित उपस्थित रहे।

भीषण सड़क दुर्घटना में छात्र हुआ गंभीर घायल, प्रशासन की संवेदनहीनता पर उठ रहे सवाल

दैनिक बुद्ध का संदेश

इटवा/सिद्धार्थनगर। तहसील इटवा अन्तर्गत इटवा–बिस्कोहर मार्ग पर स्थित सेमरी मोड़ के समीप बुधवार को एक तेज रफ्तार अनियंत्रित ट्रक ने बाइक सवार छात्र को जोरदार टक्कर मार दी। दुर्घटना में छात्र गंभीर रूप से घायल हो गया है, जिसे प्राथमिक उपचार के बाद मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। आपको बता दें कि मैलानी गांव निवासी हाजी निसार का 18 वर्षीय पुत्र अरमान अली अपनी परीक्षा देकर घर वापस लौट रहा था। जैसे ही वह सेमरी मोड़ पर पहुंचा, विपरीत दिशा से आ रहे एक अनियंत्रित ट्रक ने उसे अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि अरमान के सिर में गंभीर चोटें आयीं। घटना को अंजाम देने के बाद चालक ट्रक समेत मौके से फरार हो गया। इस हादसे ने क्षेत्र की आपातकालीन सेवाओं की पोल खोलकर रख दी है। चश्मदीदों के मुताबिक, दुर्घटना के बाद काफी देर तक पुलिस और एम्बुलेंस को सूचना दी गई, लेकिन करीब एक घन्टे तक कोई भी मदद मौके पर नहीं पहुंची। अंततः परिजनों और स्थानीय लोगों ने मानवता दिखाते हुए निजी वाहन का प्रबन्ध किया और घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र इटवा पहुंचाया। वहीं सीएचसी इटवा के चिकित्सकों ने घायल की स्थिति को अत्यन्त चिन्ताजनक बताते हुए प्राथमिक उपचार के बाद उसे बेहतर इलाज के लिए सिद्धार्थनगर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया है। वहीं घायल के सिर में गहरी चोट होने के कारण उसे अभी भी खतरे से बाहर नहीं बताया जा रहा है। अब बड़ा सवाल यह उठता है कि जब जीवन और मृत्यु के बीच का अन्तर कुछ मिनटों का होता है, तो ऐसे में सरकारी आपातकालीन सेवाओं का घन्टों देरी से पहुंचना या न पहुंचना प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवालिया निशान खड़े करता है।

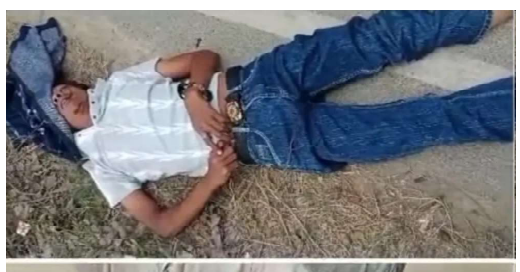

मंडलायुक्तअखिलेश कुमार सिंह ने किया कलेक्ट्रेट का वार्षिक निरीक्षण, खनन अधिकारी पर बरसे, दिए सख्त निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। बस्ती मंडल के मंडलायुक्त अखिलेश कुमार सिंह ने गुरुवार को पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सिद्धार्थनगर कलेक्ट्रेट का वार्षिक निरीक्षण किया। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन की उपस्थिति में हुए इस निरीक्षण के दौरान मंडलायुक्त ने विभिन्न पटलों की कार्यप्रणाली को बारीकी से परखा और लापरवाही मिलने पर संबंधित अधिकारियों की क्लास भी लगाई। घनिरीक्षण की शुरुआत में मंडलायुक्त को कलेक्ट्रेट परिसर में गार्ड ऑफ ऑनर की सलामी दी गई। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने बुके भेंट कर उनका स्वागत किया। घ्खनन अनुभाग में नाराजगीरू वसूली की प्रगति पर उठे सवाल मंडलायुक्त ने सबसे पहले खनन अनुभाग का रुख किया। बालू पट्टा और अन्य कार्यों की समीक्षा के दौरान जब उन्होंने बड़े बकायेदारों और वसूली की प्रगति के बारे में जानकारी चाही, तो संतोषजनक उत्तर न मिलने पर उन्होंने कड़ी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने खनन अधिकारी को स्पष्ट निर्देश दिया कि वसूली की प्रगति में तत्काल सुधार लाएं। आयुक्त ने संयुक्त कार्यालय के ई.आर. के. पटल, डीएलआरसी, न्याय सहायक, आपदा, एल.बी.सी., एसएलओ और अभिलेखागार सहित दर्जनों अनुभागों का निरीक्षण किया। डाक प्रबंधन प्रशासनिक अधिकारी को महत्वपूर्ण डाक के लिए अलग से रजिस्टर तैयार करने के निर्देश

दिए गए। ध्भूमि अधिग्रहण एस. एल.ओ. को निर्देशित किया गया कि भूमि अधिग्रहण से संबंधित किसी भी व्यक्ति का मुआवजा या बकाया लंबित न रहे। कर्मचारी हितरू मंडलायुक्त ने जोर दिया कि किसी भी कर्मचारी का प्रमोशन या क्लेम (दावा) प्रकरण अकारण न लटकाया जाए। घनिरीक्षण के दौरान मंडलायुक्त ने स्वामित्व योजना, अभियोजन कार्यालय, खाद्य सुरक्षा और जिला प्रोबेशन कार्यालय का भी अवलोकन किया। उन्होंने अधिकारियों को सख्त लहजे में कहा पत्रावलियों का रख–रखाव दुरुस्त रखें। यदि किसी व्यक्ति की समस्या किसी पटल पर आती है, तो उसका निस्तारण समय से करें। जनता को अनावश्यक रूप से परेशान न किया जाए। साथ ही, उन्होंने कार्यालय और आसपास की साफ–सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने के निर्देश दिए। घनिरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी (वि./रा.) गौरव श्रीवास्तव, एडीएम न्यायिक डॉ. ज्ञानप्रकाश, एसडीएम नौगढ़ कल्याण सिंह मौर्य, क्षेत्राधिकारी सदर विश्वजीत सौरयान सहित सभी पटल सहायक और कर्मचारी उपस्थित रहे।

शान्तिपूर्ण आन्दोलन पर लाठीचार्ज लोकतंत्र पर सीधा हमला है - ओमप्रकाश दूबे

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। मनरेगा बचाओ संग्राम अभियान के तहत विगत 17 फरवरी को लखनऊ में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय के नेतृत्व में विधानसभा घेराव हेतु शान्तिपूर्ण मार्च निकाल रहे प्रदेश भर के कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर पुलिस द्वारा किये गये बर्बरतापूर्ण लाठीचार्ज के विरोध में गुरुवार को जिला कांग्रेस कमेटी सिद्धार्थनगर के तत्वावधान में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जिला कांग्रेस कार्यालय पर महात्मा गांधी जी के चित्र के साथ शान्तिपूर्ण ढंग से विरोध प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में उपस्थित कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने लोकतांत्रिक तरीके से अपनी आवाज उठाते हुए प्रदेश सरकार की दमनात्मक कार्यवाही की निन्दा की। इस अवसर पर जिला कोषाध्यक्ष रियाज मनिहार ने कहा कि प्रदेश सरकार लोकतांत्रिक आवाजों को दबाने का प्रयास कर रही है, जो अत्यन्त दुर्भाग्यपूर्ण है। मनरेगा मजदूरों के अधिकारों की रक्षा के लिए कांग्रेस पार्टी सड़क से सदन तक संघर्ष जारी रखेगी और किसी भी दमन से डरने वाली नहीं है। जिला सचिव ओमप्रकाश दूबे ने कहा कि शान्तिपूर्ण आन्दोलन पर लाठीचार्ज लोकतंत्र पर सीधा हमला है। कांग्रेस कार्यकर्ता जनता के अधिकारों के लिए संघर्षरत हैं और सरकार को मनरेगा मजदूर विरोधी नीतियों को तत्काल वापस लेना चाहिए। इस अवसर पर ब्लाक अध्यक्षगण मुकेश चौबे, डॉ0 प्रमोद कुमार, रितेश त्रिपाठी, होरी लाल श्रीवास्तव, वरिष्ठ नेता रियाजउद्दीन राईनी, जिला सचिव सन्तोष चौधरी, शौकत अली एवं श्रीमती रुखमीना, जुबैर खान, अकरम अली सिद्दीकी सहित तमाम कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहें।

मंडलायुक्त ने किया तहसील नौगढ़ का औचक निरीक्षण बोले– हर हाल में 10 से 12 बजे तक करें जनसुनवाई

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। कलेक्ट्रेट के वार्षिक निरीक्षण के बाद, बस्ती मंडल के मंडलायुक्त अखिलेश कुमार सिंह ने जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन के साथ तहसील नौगढ़ का विस्तृत निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने तहसील की कार्यप्रणाली को परखते हुए आम जनता की सुविधाओं और पत्रावलियों के समयबद्ध निस्तारण पर विशेष जोर दिया। मंडलायुक्त ने तहसील परिसर में जनता की सुविधाओं को लेकर कड़े निर्देश दिए बैठने की व्यवस्था भूलेख कक्ष के बाहर आने वाले फरियादियों के बैठने के लिए समुचित व्यवस्था करने का निर्देश दिया गया। समयबद्ध जनसुनवाई उपजिलाधिकारी नौगढ़ को स्पष्ट आदेश दिया कि प्रत्येक कार्यदिवस सुबह 10 से 12 बजे तक अनिवार्य रूप से बैठकर जनता की समस्याओं को सुनें। घ्रजिस्टर का रखरखाव आपूर्ति कार्यालय में अलग से जनसुनवाई

रजिस्टर बनाने और जन शिकायतों के समाधान को दर्ज करने को कहा गया। निरीक्षण के दौरान विनिमय क्षेत्र नौगढ़ कक्ष में बजट और विकास कार्यों की प्रगति की जानकारी ली गई। साथ ही तमिला रजिस्टर तामिला रजिस्टर का अवलोकन किया गया और शत–प्रतिशत तामिला सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। वसूली की प्रगति संग्रह अनुभाग में राजस्व वसूली की स्थिति जांची गई और अधिकारियों को लक्ष्य प्राप्ति के निर्देश दिए गए। पुराने वाद मंडलायुक्त ने निर्देश दिया कि जो भी वाद निस्तारण के योग्य हैं, उन्हें सूचीबद्ध कर समय सीमा के भीतर निपटाया जाए। घविभिन्न पटलों और राजस्व निरीक्षक कार्यालय के निरीक्षण के साथ–साथ एस.आई.आर. की प्रगति के बारे में भी विस्तृत जानकारी प्राप्त की गई। उन्होंने कार्य में पारदर्शिता और तेजी लाने की हिदायत दी। घ्इस निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी (वि./रा.) गौरव श्रीवास्तव, अपर जिलाधिकारी न्यायिक डॉ. ज्ञानप्रकाश, एसडीएम नौगढ़ कल्याण सिंह मौर्य, क्षेत्राधिकारी सदर विश्वजीत सौरयान, तहसीलदार नौगढ़ सहित सभी संबंधित पटल सहायक और कर्मचारी उपस्थित रहे।

सम्पादकीय

चाहे उसकी जाति कुछ भी हो। हम होटलों में जाति पूछकर भोजन ग्रहण नहीं करते बल्कि पैसे अदा करके भोजन करते हैं। लेकिन एक कड़वी सच्चाई यह भी हैरू पूंजीवाद ने पूंजी को कुछ ही हाथों में केंद्रित कर दिया है इससे आर्थिक असमानता और गहरी हो गई है। गौरतलब है कि एक हाइब्रिड मश्वडल भारतीय लोकतंत्र में ये दोनों एक–दूसरे के विरोधी होने के साथ–साथ ...

पूंजीवाद का बढ़ता हस्तक्षेप और नई बेरोजगारी

पूंजीवाद ने जहाँ एक ओर नवाचार और तकनीकी विकास को गति दी है, वहीं इसके अनियंत्रित स्वरूप ने आज गंभीर सामाजिक और आर्थिक चुनौतियाँ खड़ी कर दी हैं। जब लाभ की अंधी दौड़ मानवीय मूल्यों और सामाजिक सुरक्षा पर हावी हो जाती है, तो इसका सबसे भयावह रूप बेरोजगारी और असमानता के रूप में सामने आता है। पूंजीवाद का मूल मंत्र अधिकतम उत्पादन, न्यूनतम लागत है। इस उद्देश्य की प्राप्ति के लिए कंपनियाँ तेज़ी से स्वचालन और कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी ए आई को अपना रही हैं। परिणामस्वरूप जहाँ एक मशीन सैकड़ों मजदूरों का काम कर देती है, वहीं वे सैकड़ों परिवार जीविका के संकट में फँस जाते हैं। पूजीवाद का अतिवादी रूप तब दिखता है जब बाजार की शक्तियाँ बेलगाम हो जाती हैं। सोने और चांदी की कीमतों को आप देख सकते हैं। सेंसेक्स का उछाल और धड़ाम दोनों से आप वाकिफ हैं। जब दुनिया की अधिकांश संपत्ति कुछ गिने–चुने कॉर्पोरेट्स या व्यक्तियों के हाथों में सिमट जाती है, तो आम आदमी की क्रय शक्ति और अवसर घटने लगते हैं। आज घ्मुनाफे की अंधी दौड़ में विज्ञापन सर्वोपरि है। कंपनियों का एकमात्र लक्ष्य श शेयरहोल्डर वैल्यू श बढ़ाना होता है। इसके लिए वे अक्सर कर्मचारियों की छंटनी और वेतन में कटौती को सबसे आसान रास्ता मानती हैं। संकट इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि सरकारी मशीनरी भी कार्पोरेट कल्चर पर कार्य करने की आदी हो जा रही है। बड़ी मछलियाँ छोटी मछलियों को निगल जाती हैं। इससे छोटे व्यवसायी और स्थानीय रोजगार खत्म हो जाते हैं, जिससे बेरोजगारी का नया संकट पैदा होता है। पूँजीवाद ने क्रूरतम बेरोजगारी को जन्म दिया है। पूँजीवाद के इस क्रूर दौर में बेरोजगारी केवल आर्थिक समस्या नहीं, बल्कि एक सोची – समझी संरचनात्मक चुनौती बन गई है। घ्पूँजीवादी व्यवस्था में श्रम की लागत घटाने के लिए मशीनों और ए आई का सहारा लिया जा रहा है। हालांकि यह दक्षता बढ़ाता है, लेकिन यह रोजगार विहीन विकास को जन्म देता है, जहाँ जीडीपी तो बढ़ती है पर नौकरियाँ नहीं।आजकल स्थायी नौकरियों की जगह फ्रीलांस या डिलीवरी पार्टनर जैसे काम ले रहे हैं। इसमें न तो सामाजिक सुरक्षा है, न पेंशन और न ही नौकरी की गारंटी। इसे अक्सर श्स्वतंत्रताश के नाम पर बेचा जाता है, लेकिन असल में यह अल्प–रोजगार का एक शोषणकारी रूप है। पूँजीवाद को हमेशा कुछ हद तक बेरोजगारी की जरूरत होती है ताकि श्रमिकों के बीच प्रतिस्पर्धा बनी रहे और वे कम वेतन पर काम करने को मजबूर रहें।

जब भी बेरोजगारी बढ़ती है और पूँजीवाद अपने चरम पर होता है, तो समाज में अनेक विसंगतियां जन्म लेती हैं। आज बेरोजगार मानसिक तनाव और अवसाद में हैं। काम की अनिश्चितता युवाओं में निराशा और असुरक्षा का भाव पैदा करती है। जब बड़ी आबादी के पास आय का साधन नहीं होता, तो सामाजिक ताना–बना टूटने लगता है। अमीर और गरीब के बीच का अंतर इतना बढ़ जाता है कि लोकतांत्रिक व्यवस्थाएँ भी खतरे में पड़ने लगती हैं।

पूँजीवाद तब तक कल्याणकारी है जब तक वह मानवीय संवेदनाओं और सामाजिक जिम्मेदारी से जुड़ा है। लेकिन जब यह सिर्फ अंकों का खेल बन जाता है, तो यह बेरोजगारी और असमानता का एक अंतहीन दुष्चक्र पैदा कर देता है।

लेखक– विनय कांत मिश्रा/दैनिक बुद्ध का संदेश

आर्थिक आधार पर आरक्षण – बदलती सामाजिक हकीकत और न्याय की नई परिभाषा

भारतीय लोकतंत्र में श्आरक्षणश हमेशा से एक संवेदनशील और विमर्श का विषय रहा है। दशकों तक आरक्षण का आधार केवल सामाजिक और शैक्षणिक पिछड़ापन रहा, जिसका मुख्य उद्देश्य सदियों से हाशिए पर रहे समुदायों को मुख्यधारा में लाना था। लेकिन बदलते आर्थिक परिदृश्य और बढ़ती असमानता के बीच श्आर्थिक आधार पर आरक्षणश (ँ) की जरूरत आज एक अनिवार्य वास्तविकता बन गई है। समानता का नया आयाम संविधान के 103वें संशोधन के माध्यम से जब आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए 10: आरक्षण की व्यवस्था की गई, तो इसने सामाजिक न्याय की पारंपरिक परिभाषा का विस्तार किया। उच्चतम न्यायालय ने भी अपने ऐतिहासिक फैसलों में यह माना है कि गरीबी स्वयं में एक बड़ी बाधा है, जो किसी व्यक्ति को योग्यता के बावजूद अवसरों से वंचित कर सकती है। आज के दौर में शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं की लागत इतनी बढ़ गई है कि बिना आर्थिक संबल के प्रतिभाएं दम तोड़ रही हैं। क्यों जरूरी है आर्थिक आधार? अवसरों की समानतारू ऊँची जातियों या अनारक्षित वर्गों में भी एक बड़ा तबका ऐसा है जो गरीबी की रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहा है। उनके लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और सरकारी नौकरियों तक पहुँचना एक सपना बनकर रह गया है। सामाजिक वैमनस्य में कमीरू जातिगत आरक्षण को लेकर अक्सर समाज के विभिन्न वर्गों में टकराव की स्थिति देखी जाती रही है। आर्थिक आधार पर आरक्षण इस धारणा को पुख्ता करता है कि सरकार हर गरीब के साथ खड़ी है, चाहे उसकी जाति कुछ भी हो। यह समाज में श्समावेशी विकासश की भावना को जागृत करता है। मेरिट और गरीबी का संतुलनरू यह व्यवस्था इस तर्क को भी बल देती है कि केवल संपन्नता ही योग्यता का पैमाना नहीं होनी चाहिए। एक गरीब छात्र, जिसके पास संसाधन नहीं हैं, उसे थोड़ा सहारा देकर प्रतिस्पर्धा के बराबर स्तर पर लाना वास्तविक लोकतंत्र की जीत है। चुनौतियां और भविष्य की राह हालाँकि, आर्थिक आरक्षण के समक्ष कुछ व्यावहारिक चुनौतियाँ भी हैं। सबसे बड़ी चुनौती पात्रता के मानदंडों को लेकर है। वार्षिक आय की सीमा और संपत्ति के मानकों को समय–समय पर तर्कसंगत बनाना आवश्यक है ताकि इसका लाभ वास्तव में उन तक पहुँचे जो इसके हकदार हैं। साथ ही, यह सुनिश्चित करना होगा कि यह व्यवस्था मौजूदा सामाजिक आरक्षण के ढांचे को कमजोर न करे, बल्कि उसके पूरक के रूप में कार्य करे। निष्कर्ष आरक्षण कोई गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम नहीं है, लेकिन यह प्रतिनिधित्व और सशक्तिकरण का एक सशक्त माध्यम है। आज के युग में जब आर्थिक विषमता की खाई चौड़ी हो रही है, तब आर्थिक आधार पर आरक्षण देना केवल एक राजनीतिक निर्णय नहीं, बल्कि एक मानवीय और नैतिक आवश्यकता है। हमें एक ऐसे समाज की ओर बढ़ना होगा जहाँ जन्म की जाति नहीं, बल्कि व्यक्ति की परिस्थितियाँ उसकी प्रगति का मार्ग तय करें।

राजेश कुमार शर्मा, सम्पादक

राधा-दामोदर जी मंदिर वृंदावन का महत्व

इस शिला की परिक्रमा करके अपने नियम को पूरा कर लिया करो। बालरूप भगवान की आज्ञा मानकर सनातन गोस्वामी इसी शिला की परिक्रमा कर अपना नियम प्रतिदिन पूरा करने लगे। सनातन गोस्वामी द्वारा इस शिला की परिक्रमा लगाने के कारण यहां आने वाला हर श्र)ालु शिला की परिक्रमा करके अपने आपको धन्य महसूस करता है। कार्तिक मास में नियम सेवा के दिनों में हजारों नर–नारी श्रीराधा ...

भारत के उत्तर प्रदेश में मथुरा, जो भारत की राजधानी दिल्ली और आगरा जाने वाली सडक पर (आगरा से लगभग 65 किलोमीटर पहले) स्थित है। वृंदावन मथुरा से होकर पहुंचा जा सकता है। मथुरा कृष्ण की जन्म भूमि है। मथुरा नगरी इस महान् विभूति का जन्मस्थान होने के कारण ध न्य हो गई। मथुरा ही नहीं, सारा शूरसेन या ब्रज जनपद आनंदकंद कृष्ण की मनोहर लीलाओं की क्रीड़ाभूमि होने के कारण गौरवान्वित हो गया। मथुरा और ब्रज को कालांतर में जो असाधारण महत्त्व प्राप्त हुआ, वह इस महापुरुष की जन्मभूमि और क्रीड़ाभूमि होने के कारण ही श्रीकृष्ण भागवत धर्म के महान् स्रोत हुए।

इस धर्म ने कोटि–कोटि भारतीय जन का अनुरंजन तो किया ही, साथ ही कितने ही विदेशी इसके द्वारा प्रभावित हुए। प्राचीन और अर्वाचीन साहित्य का एक बड़ा भाग कृ ष्ण की मनोहर लीलाओं से ओतप्रोत है। उनके लोकरंजक रूप ने भारतीय जनता के मानस–पटल पर जो छाप लगा दी है, वह अमिट है। राधा दामोदर मंदिर में गौड़ीय संप्रदाय का ही नहीं, अपितु अन्य संप्रदायों के भक्तों और अनुयाईयों का आस्था का केंद्र रहा है। इसी मंदिर को इस्कॉन मन्दिर के संस्थापक प्रभुपाद महाराज ने अपने वृन्दावन प्रवास के दौरान सर्वप्रथम आराधना का केंद्र बनाया था। वृन्दावन नगर के सेवाकुंज और लोई बाजार क्षेत्र में स्थित राधा दामोदर मंदिर की स्थापना रूप गोस्वामी के शिष्य जीव गोस्वामी ने संवत् 1599 माघ शुक्ला दशमी तिथि को की थी।

इसी मंदिर में छह गोस्वामियों, रूप गोस्वामी, सनातन गोस्वामी, भक्त रघुनाथ, जीव गोस्वामी, गोपाल भट्ट, रघुनाथ दास ने अपनी साधना स्थली बनाया। श्री रूपगोस्वामी जी सेवाकुंज के अंतर्गत यहीं भजन कुटी में वास करते थे। यहीं पर तत्कालीन गोस्वामीगण एवं भक्तजन सम्मिलित होकर इष्टगोष्ठी करते थे तथा श्री रघुनाथभट्ट जी अपने मधुर कंठ से उस वैष्णव सभा में श्रीमद्भागवत की व्याख्या करते। यहीं पर श्री रूप गोस्वामी ने श्रीभक्तिरसामृतसिन्धु, उज्ज्वलनीलमणि एवं अन्यान्य भक्ति ग्रन्थों का संकलन किया। युवक श्री जीव गोस्वामी श्री रूप गोस्वामी की सब प्रकार से सेवा में नियुक्त थे। श्रील रूप गोस्वामी ने स्वयं अपने हाथों से श्री राधादामोदर विग्रह को प्रकाश कर श्री जीव को सेवापूजा के लिए अर्पण किया था। सेवाप्राकट्य ग्रन्थ के अनुसार 1599 सम्वत में माघ शुक्ल दशमी तिथि में श्रीराधादामोदर की प्रतिष्ठा हुई। मूल श्री राधादामोदर विग्रह जयपुर में विराजमान हैं। उनकी प्रतिभू विग्रह स्वरूप वृन्दावन में विराजमान है। इनके साथ सिंहासन में श्री वृन्दावनचन्द्र, श्री छैलचिकनिया, श्री राधाविनोद और श्री राध ाामाधव आदि विग्रह विराजमान हैं। मन्दिर के पीछे श्री जीवगोस्वामी तथा श्री कृष्णदास गोस्वामी की समाधियां प्रतिष्ठित हैं। मन्दिर के उत्तर भाग में श्रीपाद रूपगोस्वामी की भजन–कुटी और समाधि मन्दिर स्थित हैं। पास ही श्रीभूगर्भ गोस्वामी की समाधि है। इस मंदिर के संबंध में कहावत है कि गौड़ीय संप्रदाय के संत सनातन गोस्वामी इस मंदिर में निवास के दौरान प्रतिदिन श्री गिरिराज जी की परिक्रमा करने यहां से गोवर्धन जाते थे। जब वे काफी वृद्ध हो गए तो एक दिन गिरिराज जी की परिक्रमा करने नहीं जा सके। तब भगवान श्री कृष्ण ने एक बालक के रूप में आकर उन्हें एक डेढ़ हाथ लम्बी वट पत्राकार श्याम रंग की गिरिराज शिला दी। उस पर भगवान के चरण चिह्न एवं गाय के खुर का निशान अंकित था। बालक रूप भगवान ने सनातन गोस्वामी से कहा कि बाबा अब तुम बहुत वृद्ध हो गए हो। तुमको गिरिराजजी की परिक्रमा करने के नियम को पूरा करने में काफी तकलीफ हो रही है।

इस शिला की परिक्रमा करके अपने नियम को पूरा कर लिया करो। बालरूप भगवान की आज्ञा मानकर सनातन गोस्वामी इसी शिला की परिक्रमा कर अपना नियम प्रतिदिन पूरा करने लगे। सनातन गोस्वामी द्वारा इस शिला की परिक्रमा लगाने के कारण यहां आने वाला हर श्रद्धालु शिला की परिक्रमा करके अपने आपको धन्य महसूस करता है। कार्तिक मास में नियम सेवा के दिनों में हजारों नर–नारी श्रीराधा दामोदर तथा गिरिराजजी की शिला की चार परिक्रमा लगाकर अति आनंद लाभ प्राप्त करते हैं। श्रीवृन्दावन चंद्र तथा दो युगल श्री विग्रह भी यहां सेवित हैं।

अजित पवार: आरोपों से ऊपर उठे राजनीति के 'दादा–पुरुष'

अजित पवार का व्यक्तित्व एवं कृतित्व सफल राजनेता, समाज निर्माता, ग्राम–उद्धारक, सहकारी आन्दोलन पुरोधा, कुशल प्रशासक के रूप में अनेक छवि, अनेक रंग, अनेक रूप में उभरकर सामने आता हैं। आपके जीवन की दिशाएं विविध एवं बहुआयामी थीं। आपके जीवन की धारा एक दिशा में प्रवाहित नहीं हुई, बल्कि जीवन की विविध दिशाओं का स्पर्श किया ....

ललित गर्ग ।

अजित पवार का जीवन किसी राजसी विरासत की सहज कहानी नहीं था। 22 जुलाई 1959 को अहमदनगर जिले के देओली प्रवरा क्षेत्र में जन्मे अजित पवार ने जीवन को बहुत करीब से संघर्ष करते हुए देखा। उनके पिता अनंतराव पवार फिल्म जगत से जुड़े रहे, राजकमल स्टूडियो में काम किया, लेकिन पारिवारिक परिस्थितियां साधारण रहीं।

यह खबर केवल एक व्यक्ति के निधन की नहीं है, बल्कि महाराष्ट्र की राजनीति के एक पूरे युग के अचानक थम जाने की सूचना है। 28 जनवरी 2026 की सुबह जब बारामती में हुए विमान हादसे में उपमुख्यमंत्री अजित अनंतराव पवार के असामयिक निधन की पुष्टि हुई, तो वह क्षण केवल पवार परिवार के लिए नहीं, बल्कि समूचे महाराष्ट्र और देश की राजनीति के लिए गहरे शोक और स्तब्धता का कारण बन गया। जिस नेता को लोग अधि ाकार, अनुभव और निर्णय क्षमता का पर्याय मानते थे, उसका इस तरह अचानक चले जाना सत्ता, प्रशासन और राजनीतिक संतुलन में एक बड़ा रिक्त स्थान छोड़ गया है। एक संभावनाओं भरी महाराष्ट्र की राजनीति एवं राष्ट्रीय विचारों का सफर ठहर गया, उनका निधन न केवल महाराष्ट्र के लिये, भारत की राष्ट्रवादी सोच के लिये बल्कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की राष्ट्रवादी राजनीति पर एक गहरा आघात है, अपूरणीय क्षति है। उनके निध ान से सहकारी आन्दोलन को भी गहरा धक्का लगा है। अजित पवार का जीवन किसी राजसी विरासत की सहज कहानी नहीं था। 22 जुलाई 1959 को अहमदनगर जिले के देओली प्रवरा क्षेत्र में जन्मे अजित पवार ने जीवन को बहुत करीब से संघर्ष करते हुए देखा। उनके पिता अनंतराव पवार फिल्म जगत से जुड़े रहे, राजकमल स्टूडियो में काम किया, लेकिन पारिवारिक परिस्थितियां साधारण रहीं। औपचारिक शिक्षा माध्यमिक स्तर तक ही सीमित रही, किंतु जीवन की व्यावहारिक पाठशाला ने उन्हें वह सिखाया जो बड़े–बड़े शैक्षणिक संस्थान भी नहीं सिखा पाते। शायद यही कारण रहा कि अजित पवार की राजनीति किताबों से नहीं, जमीन से निकली हुई राजनीति थी, जिसमें किसानों की पीड़ा, सहकारी संस्थाओं की ताकत और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की नब्ज साफ दिखाई देती थी। राजनीति में उनका प्रवेश किसी बड़े मंच से नहीं, बल्कि सहकारी आंदोलन की प्रयोगशाला से हुआ। 1982 में मात्र बीस वर्ष की आयु में उन्होंने एक चीनी सहकारी संस्था का चुनाव लड़ा। यह वही दौर था जब महाराष्ट्र की राजनीति में सहकारी संस्थाएं सत्ता की रीढ़ मानी जाती थीं। अजित पवार ने बहुत जल्दी समझ लिया कि यदि ग्रामीण महाराष्ट्र को साधना है तो उसे बैंक, चीनी मिल, सिंचाई और बिजली से जोड़ना होगा। यही समझ आगे चलकर उनकी राजनीतिक पहचान की सबसे बड़ी ताकत बनी। 1991 अजित पवार के राजनीतिक जीवन का निर्णायक वर्ष रहा। पुणे जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष बनने के साथ ही उन्होंने वित्तीय प्रशासन और संगठन संचालन में अपनी दक्षता का परिचय दिया। सोलह वर्षों तक इस पद पर बने रहना अपने आप में उनकी विश्वसनीयता और पकड़ को दर्शाता है। उसी वर्ष बारामती से लोकसभा के लिए निर्वाचित होना उनके बढ़ते कद का प्रमाण था, लेकिन उन्होंने यह सीट अपने चाचा शरद पवार के लिए छोड़ दी। यह फैसला केवल पारिवारिक निष्ठा का नहीं, बल्कि राजनीतिक दूरदृष्टि का भी उदाहरण था। इसके बाद विध ानसभा में प्रवेश और फिर लगातार बारामती से जीत ने उन्हें जनाधार का वह आधार दिया, जिसे महाराष्ट्र की राजनीति में विरले ही कोई चुनौती दे सका। अजित पवार को सत्ता के गलियारों में पहुंचाने वाली सबसे बड़ी विशेषता उनकी प्रशासनिक पकड़ थी। कृषि, बागवानी, बिजली और जल संसाधन जैसे कठिन और संवेदनशील विभागों को संभालते हुए उन्होंने विकास और विवाद दोनों को नजदीक से जिया। जल संसाध ान मंत्री के रूप में कृष्णा घाटी और कोकण सिंचाई परियोजनाओं से उनका नाम जुड़ा। इन परियोजनाओं ने जहां किसानों के लिए पानी और उम्मीद का संदेश दिया, वहीं आलोचनाओं और आरोपों का बोझ भी उनके कंधों पर रखा। इसके बावजूद वे उन नेताओं में रहे जो फाइलों से नहीं, फैसलों से पहचाने जाते थे। उपमुख्यमंत्री के रूप में उनका सफर महाराष्ट्र की राजनीति में एक अनोखा अध्याय है। छह बार इस पद तक पहुंचना केवल राजनीतिक संयोग नहीं था, बल्कि सत्ता संतुलन, गठबंधन राजनीति और संगठनात्मक ताकत का परिणाम था। वे सरकार में अक्सर संकटमोचक की भूमिका में दिखे। बजट, वित्तीय प्रबंधन और संसदीय रणनीति में उनकी पकड़ ऐसी थी कि विरोधी भी उनके अनुभव को नजरअंदाज नहीं कर पाते थे। उन्हें महत्वाकांक्षी कहा गया, कभी–कभी कठोर और रूखे स्वभाव का नेता भी बताया गया, लेकिन यह भी सच है कि सत्ता की वास्तविकता को वे भावनाओं से नहीं, निर्णयों से देखते थे। विवाद उनके राजनीतिक जीवन का अभिन्न हिस्सा रहे। सिंचाई घोटाले से लेकर बयानबाजी तक, कई मौके ऐसे आए जब उनकी छवि पर प्रश्नचिह्न लगे। "अगर बांध में पानी नहीं है तो क्या पेशाब करके भरें?" जैसे बयान ने उन्हें आलोचनाओं के केंद्र में ला खड़ा किया। उन्होंने माफी भी मांगी, सफाई भी दी और समय के साथ उन विवादों से उबरते हुए फिर सत्ता के शीर्ष पर लौटे। यह उनकी राजनीतिक जिजीविषा का प्रमाण था कि आलोचना और आरोप उन्हें रोक नहीं पाए। शरद पवार के साथ उनके रिश्ते को लेकर भी हमेशा चर्चाएं रहीं। कभी मतभेद, कभी दूरी और कभी सियासी अलग राह की अटकलें। लेकिन अजित पवार स्वयं को हमेशा शरद पवार का अनुयायी बताते रहे। उन्हें मिला "दादा" का संबोधन केवल पारिवारिक नहीं था, बल्कि वह एक राजनीतिक ब्रांड बन चुका था, जो उनके समर्थकों में भरोसे और नेतृत्व की भावना जगाता था। वे संगठनकर्ता भी थे और प्रशासक भी, रणनीतिकार भी और जमीनी नेता भी।

जिससे ईश्वर ज्ञान प्राप्त करे वह गुरू वशिष्ठ साधारण नहीं हो सकते

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। महर्षि वशिष्ठ आश्रम बढ़नी मिश्र में जगद्गुरु रामभद्राचार्य जी महाराज के श्री मुख से वशिष्ठ रामायण कथा के दूसरे दिन रामभद्राचार्य जी ने कहा कि वे अपने परिवार में 1415 वीं कथा कह रहे हैं। 'गुरु गृह गए पढ़न रघुराई, अल्प काल विद्या सब आइ; साक्षात ईश्वर अपने चारों भाइयों के साथ गुरु वशिष्ठ के आश्रम में शिक्षा लेने आये। जिससे ईश्वर ज्ञान प्राप्त करे वह गुरू वशिष्ठ साधारण नहीं हो सकते। कथा के क्रम में रामभद्राचार्य ने कहा कि सरकार को यूजीसी का नया नियम वापस लेना ही होगा। समाज का विभाजन स्वीकार्य नहीं हैं। रामभद्राचार्य ने कहा कि ब्राम्हण कभी जातिवादी नहीं रहा। दुर्भाग्य से अनेक ब्राम्हण मांस सेवन, मछली खाने के साथ ही शराब का सेवन करने लगे हैं। ऐसे में ब्राम्हणों को स्वयं जागरूक होना होगा। महात्मा जी 20 फरवरी शुक्रवार को दिन में 12 बजे से गुरू वशिष्ठ, माता अरून्धती, श्रीराम, लक्ष्मण, भरत–शत्रुघ्न और विग्रहों की प्राण प्रतिष्ठा होगी। रामभद्राचार्य ने कहा कि वे स्वयं जातिवादी नहीं हैं। रामभद्राचार्य जी ने कहा कि बस्ती को वशिष्ठ नगर होना ही है। बढनी मिश्र गांव की अपनी आध्यात्मिक विशेषता है। रामभद्राचार्य ने कहा कि गुरू वशिष्ठ ने निषाद राज को आदर दिया। जगद्गुरु रामभद्राचार्य जी ने कहा कि द्रोणाचार्य ने कर्ण को शिक्षा देने से मना न किया होता तो महाभारत न होता। गुरू वशिष्ठ ने राजकुमारों के साथ सभी वर्गो को शिक्षा दिया। कथा के यजमान दिनेश मिश्रा, मीरा मिश्रा, राम चरन मिश्रा , राधे रमण मिश्रा , पावन उपाध्याय , वंदना को आचार्य रामचन्द्रदास जी महाराज ने चरण पादुका पूजन कराया। आयोजक राना दिनेश प्रताप सिंह और कमेटी के सदस्यों ने जगद्गुरु रामभद्राचार्य को माल्यार्पण कर आशीर्वाद प्राप्त किया। राना दिनेश प्रताप सिंह ने कहा कि पूज्य गुरूदेव ने बस्ती को वशिष्ठ नगर बनाये जाने का उद्घोष कर दिया है। वे लम्बे समय से इसके लिये संघर्ष कर रहे हैं। निश्चित रूप से यह लक्ष्य गुरू कृपा से पूर्ण होगा। कथा आयोजक राना दिनेश प्रताप सिंह ने भरे मंच से बस्ती को वशिष्ठ नगर किए जाने की मांग की रामभद्राचार्य जी से की किया जिसका उपस्थित श्रद्धालुओं ने ताली बजाकर उनका स्वागत किया। बताया की तीसरे दिन शुक्रवार को महर्षि वशिष्ठ जी की प्राण प्रतिष्ठा एवं कथा अवसर पर हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला एवं पूर्व मुख्य सचिव दुर्गा शंकर राय कथा में सम्मिलित होंगे। इसी कड़ी में वशिष्ठ रामायण कथा की सांस्कृतिक संध्या में वशिष्ठ धाम से पधारे मथुरा वृंदावन से नम्रता सिंह सुर संग्राम से उर्मिला राज, अभिषेक राणा ने 'राम आएंगे तो अंगना सजाऊंगी' 'मंगल भवन अमंगल हारी , तोहार लंका जारी हमार पूछ से , जो प्रेम गली में आया नहीं वो प्रेम क्या जाने आदि भजनों ने कथा श्रवण कर रहे श्रद्धालुओं ,को भाव विभोर कर दिया। कथा के दूसरे दिन प्रमुख रूप से नगर पंचायत अध्यक्ष नगर श्रीमती नीलम सिंह 'राना' , रानी आशिमा सिंह , दिल्ली हिंदू फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अध्यक्ष डॉ. विनय प्रताप सिंह , सतीश मिश्रा, भाजपा के वरिष्ठ नेता दिवाकर मिश्रा , राजीव पांडेय, प्रदीप पाण्डेय , सत्य प्रकाश सिंह, संतोष मिश्रा, आलोक मिश्रा, विकास मिश्रा, संजय मिश्रा, विशाल यादव, सच्चिदानंद मिश्रा, नीतीश पाण्डेय , सोनू दुबे , सुभाष दुबे , अवधेश मिश्रा , मास्टर शिव, अश्वनी श्रीवास्तव, सतेंद्र श्रीवास्तव आरोग्य भारती के अखिल भारतीय संघटन सचिव डॉक्टर अशोक कुमार वाष्णेय , डॉक्टर संग्राम सिंह, डाक्टर दीपक सिंह, डॉक्टर वी.के. श्रीवास्तव , निरंकुश शुक्ला, डॉक्टर प्रीतम गुप्ता, पप्पू सिंह बेइली प्रधान कौशलेंद्र सिंह के साथ ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्त उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन मयंक श्रीवास्तव ने किया।

सिद्धार्थ विश्वविद्यालय में आयोजित होगी विशेष परीक्षा

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु द्वारा बीकॉम प्रथम सेमेस्टर के प्रश्न–पत्र कोड संख्या 1107 (माइनर) एवं 1108 (माइनर) के वर्णानात्मक माइनर प्रश्नपत्र में अनुपस्थित रहे अर्ह छात्रों को एक और मौका दिया गया है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने छूटी परीक्षाओं को द्वितीय सेमेस्टर में विशेष परीक्षा के तौर पर कराने का निर्णय लिया है। परीक्षा में असमंजस के कारण अनुपस्थित हुए विद्यार्थियों के लिए कुलपति की ओर से गठित समिति की बैठक बीकॉम प्रथम सेमेस्टर के माइनर प्रश्नपत्रों में छूटे हुए पात्र छात्रों को एक अतिरिक्त अवसर प्रदान किया गया है। ये छात्र आगामी प्रथम वर्ष (द्वितीय सेमेस्टर) की परीक्षा के साथ सम्मिलित हो सकेंगे। समिति के निर्णय में इन विद्यार्थियों से माइनर प्रश्नपत्र के लिए कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं लिया जाएगा। गठित समिति के निर्णय के क्रम में कुलपति की स्वीकृति प्राप्त होने के उपरांत यह अनुमति सत्र 2025–26 के लिए औपचारिक रूप से प्रदान कर दी गई है। परीक्षा नियंत्रक दीनानाथ यादव ने पत्र के माध्यम से इसकी जानकारी दी है।

आरटीई के लिए हुई लॉटरी 557 बच्चों को मिला विद्यालय

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। शैक्षिक सत्र 2026–27 के लिए शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई) के तहत प्रथम चरण की ऑनलाइन लॉटरी प्रक्रिया बुधवार को संपन्न हुई। इस चरण में कुल 1,462 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 1,116 आवेदन स्वीकृत और 346 विभिन्न कारणों से निरस्त कर दिए गए। स्वीकृत 1,116 आवेदनों के सापेक्ष ऑनलाइन लॉटरी के माध्यम से 557 बच्चों को विद्यालय आवंटित किया गया जबकि सीटें पूर्ण हो जाने के कारण 559 बच्चों को इस चरण में विद्यालय आवंटित नहीं हो सका। लॉटरी प्रक्रिया का संचालन मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह द्वारा किया गया। इस अवसर पर बीएसए शैलेश कुमार, जिला समन्वयक अमित शुक्ला तथा ईएमआईएस प्रभारी अमित पांडेय उपस्थित रहे।

यूजीसी के नये नियमों को वापस लिये जाने की मांग को लेकर मेधा पार्टी का धरना जारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। यूजीसी के नये नियमों को वापस लिये जाने की मांग को लेकर मेधा पार्टी के युवा प्रदेश अध्यक्ष रूद्र आदर्श पाण्डेय के नेतृत्व में गांधी कला भवन के स्थित बापू प्रतिमा के निकट अनिश्चितकालीन धरना पिछले 9 दिनों से जारी है। मेधा के राष्ट्रीय प्रवक्ता दीन दयाल त्रिपाठी ने कहा कि जब तक यूजीसी का भेदभाव पैदा करने वाला कानून वापस नहीं लिया जाता मेधा का चरणबद्ध आन्दोलन जारी रहेगा। चुनावी लाभ के लिये छात्रों को जाति, वर्ग में बांट देने का षड़यंत्र स्वीकार नहीं किया जायेगा। अनिश्चित कालीन धरने पर बैठे मेधा पार्टी के युवा प्रदेश अध्यक्ष रूद्र आदर्श पाण्डेय ने कहा कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा उच्च शिक्षा परिसरों में समानता को बढ़ावा देने संबंधी नए नियमों के विरोध में अनिश्चित कालीन धरना बापू प्रतिमा के समक्ष लगातार 9 दिनों से जारी है। यूजीसी का यह निर्णय छात्रों को जातियों में बांटने वाला है जो खतरनाक है। सरकार इसे वापस ले। उन्होंने धरने को समर्थन देने वाले सामाजिक, राजनीतिक कार्यकर्ताओं संगठनों के प्रति आभार व्यक्त करते हुये कहा कि लगातार मिल रहे जन समर्थन से उनका हौसला बढा है। बापू प्रतिमा के निकट अनिश्चितकालीन धरना के 9 वे दिन मुख्य रूप से अभयदेव शुक्ल, रवि शुक्ला, वैभव शुक्ला, सन्तोष प्रधान, वृजेश द्विवेदी, रामरीका पाण्डेय, चन्द्रेश प्रताप सिह, राम प्रताप सिंह, हरिगोविन्द द्विवेदी, सुभाष मिश्र, सुयश प्रताप सिंह, महेन्द्र प्रताप पाण्डेय, कृपाशंकर सिंह, शिवेन्द्र मिश्र, शुभम यादव, प्रमोद पाण्डेय, अंशू चौरसिया, सुभाष मिश्र, संजयमणि त्रिपाठी, शिवकुमार चौरसिया, रामजी पाण्डेय, प्रतीक मिश्र आदि शामिल रहे।

सिद्धार्थनगर में भारत-नेपाल मैत्री महोत्सव का शानदार समापन, अब महराजगंज में सजेगी महफिल

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। उत्तर प्रदेश के संस्कृति–पर्यटन विभाग और जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय भारत–नेपाल मैत्री महोत्सव गुरुवार को रंगारंग कार्यक्रमों के साथ संपन्न हो गया। सिद्धार्थनगर की धरती पर दो दिनों तक भारत और नेपाल की साझी विरासत, कला और संस्कृति की जो बयार बही, उसने दोनों देशों के प्रगाढ़ संबंधों को और मजबूती प्रदान की। लोक विधाओं और देशभक्ति का दिखा संगम महोत्सव के दूसरे और अंतिम दिन की शुरुआत पारंपरिक बधाई नृत्य और स्कूली छात्राओं द्वारा प्रस्तुत देशभक्ति नृत्यों से हुई। कलाकारों की प्रस्तुतियों ने उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रमुख प्रस्तुतियां लखनऊ की अंकिता सिंह, सीतापुर के अभिषेक मिश्रा और स्थानीय कलाकार मनोज कुमार, मुनीश ज्ञानी, लाल बहादुर विश्वकर्मा व पवन कुमार पाण्डेय के अवधी गायन ने पूरे वातावरण को सुरीला बना दिया। विशेष आकर्षणरू मध्य प्रदेश (सागर) से आए सुधीर तिवारी के बधाई नृत्य और खुशी शर्मा के होली नृत्य ने दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। वहीं, अभय प्रताप मिश्रा के नुक्कड़ नाटक ने मैत्री और एकता का सशक्त संदेश दिया। प्रतिभाओं ने बिखेरी चमक सांस्कृतिक मंच के साथ–साथ रचनात्मक गतिविधियों में भी उत्साह देखने को मिला। चिल्ड्रेन गार्डन एजुकेशन पब्लिक स्कूल के बच्चों ने देशभक्ति नृत्य से भावविभोर कर दिया, तो वहीं स्काउट एंड गाइड के विद्यार्थियों ने योग, रंगोली और चित्रकला के माध्यम से अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। कार्यक्रम का कुशल संचालन राणा प्रताप ने किया। सांस्कृतिक सेतु बना महोत्सव आयोजन समिति ने बताया कि यह महोत्सव केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि भारत और नेपाल के बीच सदियों पुराने ऐतिहासिक और सामाजिक संबंधों को नई ऊंचाई देने का एक माध्यम है। प्रशासन ने सभी कलाकारों, मीडियाकर्मियों और स्थानीय जनता का इस ऐतिहासिक सफलता के लिए आभार व्यक्त किया। कल महराजगंज में होगा भव्य आयोजन सिद्धार्थनगर में अपनी अमिट छाप छोड़ने के बाद यह कारवां अब अगले पड़ाव की ओर बढ़ चला है। शुक्रवार, 20 फरवरी को महराजगंज में एक दिवसीय भव्य आयोजन होगा। वहां भी लोक नृत्य, गायन और प्रदर्शनियों के जरिए मैत्री का संदेश साझा किया जाएगा। समिति ने महराजगंज के नागरिकों से बड़ी संख्या में इस उत्सव का हिस्सा बनने की अपील की है।

तीन लाख की भारतीय मुद्रा के साथ नेपाली युवक गिरफ्तार

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। एसएसबी की 43 वीं वाहिनी ने भारत–नेपाल सीमा के अलिगढ़वा बॉर्डर पर शाहिद अली फकीर नामक नेपाली युवक को तीन लाख रुपये की भारतीय मुद्रा और एक मोटरसाइकिल के साथ गिरफ्तार किया। बरामद रकम के संबंध में संतोषजनक जवाब न देने पर नकदी जब्त कर युवक को सीमा शुल्क विभाग के सुपुर्द कर दिया गया। एसएसबी के अनुसार सीमा चौकी अलिगढ़वा चेक पोस्ट पर ड्यूटी के दौरान जवानों ने युवक को नेपाल से भारत की ओर आते देखा। संदिग्ध गतिविधियां प्रतीत होने पर उसे रोककर तलाशी ली गई। तलाशी में उसके बैग से 500 रुपये के 597 नोट (2,98,500 रुपये), 200 रुपये के सात नोट (1,400 रुपये) और 100 रुपये का एक नोट (100 रुपये) बरामद हुआ। इस प्रकार कुल 3,00,000 रुपये की भारतीय मुद्रा मिली।

नेपाल बार्डर पर पंकड़ा गया 49 किलो तंबाकू

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। मोहाना पुलिस और एसएसबी की संयुक्त टीम ने बुधवार बॉर्डर पर जांच के दौरान 49 किलो तंबाकू और दो बोरी यूरिया के साथ एक संदिग्ध नन नारायण को पकड़ा जबकि उसका साथी भाग निकला। पूछताछ करने के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए बरामद सामान को ककरहवा कस्टम के सुपुर्द कर दिया। एसओ मोहाना जितेंद्र सिंह के अनुसार, मुखबिर से जानकारी मिली की बॉर्डर पर कुछ लोग सामान लेकर जाने वाले हैं। एसएसबी के साथ संयुक्त टीम तैयार की गई। इसके बाद टीम बॉर्डर की ओर निकली तो एक बाइक सवार कुछ बोरी लिए और एक साइकिल सवार बॉर्डर की ओर जाते दिखे। देखते ही जवानों ने आगे बढ़े और घेराबंदी की कोशिश की तो बाइक सवार भाग निकला जबकि खाद लेकर जा रहा संदिग्ध पकड़ लिया गया। बाइक पर लदे बोरी की जांच की गई तो उसने में तंबाकू मिला, जो वजन करने पर 49 किलो पाया गया। इसी प्रकार एक दो बोरी यूरिया मिला। आरोपी की पहचान नन नारायण निवासी रसियावल खुर्द मोहाना के रूप में हुई।

बलरामपुर में बड़ा खुलासा:उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा परिषद से मान्यता रद्द करने की मांग, अनुदान घोटाले के आरोपों से मचा हड़कंप

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। जनपद बलरामपुर के तुलसीपुर स्थित राज्यानुदानित मदरसा मदरसा जामिया अनवारूल उलूम एक बार फिर गंभीर आरोपों के घेरे में है। समाजसेवी और आरटीआई कार्यकर्ता मो० इमरान ने रजिस्ट्रार/निरीक्षक, उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा परिषद को प्रार्थना पत्र देकर मदरसे की मान्यता निलंबित कर अनुदान वापस लेने की मांग की है।प्रार्थी ने आरोप लगाया है कि फर्जी हस्ताक्षरों के माध्यम से सरकारी अनुदान का दुरुपयोग, बिना विधिवत कार्यभार ग्रहण कराए वेतन आहरण, विदेशी फंडिंग के माध्यम से वित्तीय अनियमितताएं, वर्ष 2024–25 के रूदाद में अभिलेख गायब होने के बावजूद लेखा–जोखा दर्शाया जाना,लॉकडाउन अवधि में कथित फर्जी बैठकों के आधार पर तीन नियुक्तियां।

बताया गया है कि 8 जनवरी याचिका संख्या 31550/2021 2026 को कार्यवाहक प्रधानाचार्य दाखिल की थी। कार्रवाई न द्वारा क्षेत्राधिकारी, तहसील होने पर अवमानना वाद संख्या तुलसीपुर को अभिलेख गायब 1962/2025 भी दायर किया होने की सूचना दी गई थी। गया। शासन के निर्देश पर ऐसे में बिना मूल अभिलेखों के थाना तुलसीपुर में मु०अ०सं० वित्तीय रूदाद तैयार होना कई 257/2025 पंजीकृत होने की सवाल खड़े कर रहा है, जानकारी दी गई है, लेकिन अभिलेखों की पड़ताल करने आरोप है कि अब तक प्रभावी पर पता चला कि प्रार्थी ने इस कार्रवाई नहीं हुई।मामला तब मामले को लेकर पहले जनहित गरमाया जब भूमि विवाद ने गंभीरता बढ़ा दी शिकायतकर्ता ने प्रार्थना पत्र में राजस्व अभिलेखों का हवाला देते हुए दावा किया गया है कि संबंधित गाटा संख्या 692 व 693 की भूमि का बड़ा हिस्सा 'नवीन परती' अथवा राजस्व अभिलेखों में अन्य रूप में दर्ज है। आरोप है कि मदरसा का निर्माण आंशिक रूप से सरकारी भूमि पर स्थित है और सेवा नियमावली के भूमि/भवन मानकों का पालन नहीं करता। बताते चलें कि मामले ने जिला प्रशासन और मदरसा शिक्षा विभाग में हलचल मचा दी है। यदि आरोपों की पुष्टि होती है तो मदरसे की मान्यता निलंबित हो सकती है,राज्यानुदान पर रोक लग सकती है,भूमि की एक बार फिर वैधानिक जांच और राजस्व कार्रवाई संभव है। फिलहाल विभागीय जांच और प्रशासनिक कार्रवाई पर सबकी नजरें टिकी हैं।

किसान दिवस के अवसर पर डीएम ने किसानों एवं संबंधित विभाग के अधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। गोन्डा जनपद की डीएम श्रीमती प्रियंका निरंजन की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में किसान दिवस का आयोजन किया गया।इस अवसर पर जिलाधिकारी ने किसानों की समस्याओं और मांगों को सीधे सुना और संबंधित विभागों के अधिकारियों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने के निर्देश दिए।बैठक का मुख्य उद्देश्य किसानों की भौतिक और सामाजिक समस्याओं का समाधान करना तथा उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करना था। जिलाधिकारी ने कहा कि किसानों के हित सर्वोपरि हैं और उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान प्रशासन की प्राथमिकता है।उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसी भी समस्या को लंबित न रखा जाए और सभी शिकायतों का निवारण समयसीमा के भीतर किया जाए।इस अवसर पर जिलाधिकारी ने समस्त किसानों को फार्मर्स रजिस्ट्री शीघ्र कराने के निर्देश दिए।उन्होंने बताया कि फार्मर्स रजिस्ट्री कराने से पीएम किसान योजना, बीमा योजना, सब्सिडी एवं अन्य सरकारी लाभ सीधे किसानों तक पहुँचेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि सभी किसानों को अपनी जानकारी सही और पूर्ण रूप से दर्ज कराने की आवश्यकता है ताकि योजनाओं का लाभ किसी भी प्रकार की त्रुटि के बिना उन्हें प्राप्त हो सके।बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे और उन्होंने किसानों की समस्याओं का समाधान करने के लिए अपनाए जाने वाले कार्यों की रूपरेखा प्रस्तुत की।किसानों ने कृषि से जुड़ी विभिन्न समस्याओं,सिंचाई, बीज, सब्सिडी,और फसल बीमा से संबंधित मुद्दे उठाए, जिन्हें जिलाधिकारी ने गंभीरता से सुना।डीएम ने कहा कि प्रशासन किसानों की हर संभव मदद करेगा और सभी योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि विभागीय अधिकारियों को प्रत्येक शिकायत का निस्तारण प्रमाणित और समयबद्ध तरीके से करना अनिवार्य है।इस अवसर पर किसानों ने जिलाधिकारी के निर्देशों और योजनाओं की सराहना की। बैठक के समापन पर डीएम ने सभी किसानों से अपील की कि वे फार्मर्स रजिस्ट्री शीघ्र पूरा कराएँ और सरकारी योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करें।बैठक में मुख्य विकास अधिकारी श्रीमती अंकिता जैन,उपनिदेशक कृषि प्रेम कुमार ठाकुर,मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी, बैंकर्स अधिकारी सहित सभी संबंधित विभाग के अधिकारीगण तथा जनपद के प्रगतिशील किसान बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

मानक को दरकिनार कर बनते मॉल और दुकानो के कारण शहर क्षेत्र में लग रहा जाम,आमजनता परेशान

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। गोन्डा जनपद के जिम्मेदार अधिकारियों के नाक नीचे बिना पार्किंग के कई मॉल और बैक चलते हैं जिनके ऊपर दया दृष्टि की चर्चा जोरों पर है। लगातार शहर क्षेत्र में जाम को देखा जा सकता है तो वहीं मानकविहीन सड़क ए किनारे निर्माण कर विना की डर और रोक टोक के भारी मात्रा में मॉल और बैको को भूस्वामी किराये पर देकर माल काट रहे हैं लेकिन इन मॉलो और बैंकों में आने वाले ग्राहकों की चार पहिया वाहन और दो पहिया वाहन रोड पर ही खड़ी करना लाजमी जो बलरामपुर और लखनऊ हाईवे को जाम में डाल देता है जिसकी बानगी मात्र देखना से तो एलबीएस चौराहे से लेकर बड़गांव चौराहे तक देखा जा सकता है। लगातार जाम की समस्त पड़ती जा रही है तो वहीं नवनिर्मित भवनो पर अधिकारियों ने आंखें बन्द करके चुप्पी साध ली है।आमजन में चर्चा है कि एलबीएस चौराहा,गुरु नानक चौक, महिला अस्पताल गेट, गुड्डूमल चौराहा, बड़गांव चौराहा बहुत ही जाम का क्षेत्र बनता जा रहा है इसका कारण मानकविहीन नवनिर्मित भवन है जो पार्किंग के नियमों को न मानते हुए लगातार खुलते जा रहे हैं।इसके पूर्व भी कई मॉल के बनने पर पार्किंग न होने की खबरें प्रकाशित हो चुकी है लेकिन मामला सिर्फ खबरों तक सीमित रह गया जिसका खामियाजा आम जनता रोड पर जाम के चलते झेलते हुए देखा जा सकता है।हाल ही में गुरु नानक चौक के पास एक मॉल का और निर्माण हो गया है और गड़िया रोड पर खड़ी होने के कारण जाम लग रहा है,जिसकी भी चर्चा जोरो पर है और लोगों की निगाहें जिलाधिकारी गोन्डा की कार्यवाही के इंतजार में लगी हैद्द। क्या इस जाम से आम जनता को छूटकारा मिलेगा, मानक को दरकिनार कर मॉल और रोड किनारे बनते दूकाने जिनके पास पार्किंग की व्यवस्था नहीं है एक बड़ा सवाल खड़ा कर रहा है।खबर वायरल विडियो और चर्चा के आधार पर लिखा गया है, किसी तथ्य की पुष्टि नहीं करता।

प्रदेश सचिव 312 विधानसभा के भावी प्रत्याशी शमशाद आलम ने दी रमजान माह की हार्दिक शुभकामनाएं एवं मुबारकबाद

दैनिक बुद्ध का संदेश

संतकबीरनगर। रमज़ान का महीना वास्तव में रहमत, बरकत और मग़फ़िरत का महीना है। यह महीना हमें सब्र, शुकर और इंसानियत का पैग़ाम देता है। इस मुक़द्दस महीने में हमें ज़्यादा से ज़्यादा इबादत करनी चाहिए, ग़रीबों और ज़रूरतमंदों की मदद करनी चाहिए, और नफ़रत को छोड़कर मोहब्बत और भाईचारे को बढ़ावा देना चाहिए। ।पडप्ड पार्टी के प्रदेश सचिव व 312 विधानसभा मेहदावल के भावी प्रत्याशी शमशाद आलम हाल में सभी क्षेत्रवासियों को दी रमजान महिने की हार्दिक शुभकामनाएं एवम मुबारकबाद। उन्होंने कहा कि वाक़ई दिल को छूने वाली हैं। उन्होंने सही कहा है कि रमज़ान का महीना हमें इंसानियत का पैग़ाम देता है। हमें इस महीने में अपने अंदर की बुराइयों को दूर करने की कोशिश करनी चाहिए और अच्छाई की तरफ़ बढ़ना चाहिए।इस रमज़ान में हमें अपने परिवार, दोस्तों और समाज के साथ मिलकर इबादत करनी चाहिए, ग़रीबों की मदद करनी चाहिए, और एक दूसरे के साथ मोहब्बत और भाईचारे का व्यवहार करना चाहिए। अल्लाह तआला हम सबकी रोज़ा, नमाज़ और दुआओं को क़ुबूल फ़रमाए। आप को एक बार फिर से रमज़ान मुबारक।

सफाई कर्मी की मनमानी से ग्रामीणों में रोष, सड़क पर उतर कर किया प्रदर्शन

दो सफाई कर्मी विनोद कुमार और प्रदीप नही करते कार्य

दैनिक बुद्ध का संदेश

संतकबीरनगर। साथा विकास खंड के अंतर्गत आगियौना गांव में सफाई व्यवस्था पूरी तरह पटरी से उतर गई है। गांव की गलियों और सड़कों पर गंदगी का अंबार देख ग्रामीणों का धैर्य जवाब दे गया, जिसके बाद शनिवार को ग्रामीणों ने प्रदर्शन कर विभाग और प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जताई। ग्रामीणों का आरोप है कि गांव में तैनात सफाई कर्मी अपनी ड्यूटी के प्रति पूरी तरह लापरवाह है। वह महीने में केवल दो–तीन बार ही गांव में दिखाई देता है और बिना ढंग से साफ–सफाई किए ही वापस चला जाता है। ग्रामीणों ने बताया कि गांव के सार्वजनिक रास्तों और गलियों की सफाई न होने से चलना दूभर हो गया है। हैरानी की बात यह है कि गांव स्थित मंदिर परिसर की सफाई की जिम्मेदारी भी सफाई कर्मी नहीं निभा रहा है। ग्रामीण अपने घरों के सामने की गलियां तो साफ कर लेते हैं, लेकिन उचित निस्तारण न होने के कारण कूड़ा कई दिनों तक सड़कों पर ही पड़ा रहता है, जिससे संक्रामक बीमारियों के फैलने का खतरा बना हुआ है। प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों ने शासन–प्रशासन से मांग की है कि गांव में नियमित रूप से सफाई सुनिश्चित कराई जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही सफाई व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ, तो वे उच्चाधिकारियों का घेराव करने को बाध्य होंगे। प्रदर्शन करने वालों में जुबेर अहमद, घनश्याम, राम सिंह, उदय राज, पप्पू यादव, राम जी, महेंद्र, अहसान, सुभाष आदि ग्रामीण उपस्थित रहे।

होलसेल विक्रेताओं द्वारा पान मसाला एमआरपी से महंगे रेट में बेचा जा रहा

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। इन दिनों पान पान मसाला दे रहे हैं जबकि पसंद घ7 का एक ग्राहकों को मसाला होलसेल विक्रेताओं द्वारा एमआरपी से महंगे रेट में फुटकर विक्रेताओं को दिया जा रहा है तथा अच्छा खासा मुनाफा होलसेल विक्रेता कमा रहे हैं। वहीं खुदरा विक्रेता होलसेल विक्रेताओं के मनमानी रवैया पर बहुत ही आक्रोशित एवं परेशान हैं। इसी के तहत मिली जानकारी अनुसार लखनऊ बहराइच हाईवे स्थित तहसील कैसरगंज पान मसाला फुटकर विक्रेताओं द्वारा बताया गया कि होलसेल के दुकानदार महंगे रेट पर एमआरपी रेट कमला पसंद घ4 पड़ा है लेकिन होलसेल विक्रेताओं द्वारा महंगे रेट पर दिया जा रहा है अब कमला दिया जाता है वही गिरिराज घ10 में तीन ,आशिकी घ10 में 6, सिगरेट छोटी गोल्ड घ12 के एक, सिग्नेचर घ6 के एक पीस, सिस्टम घ10 के तीन पीस ,मूवमेंट घ6 का एक फुटकर ग्राहकों को दिया जा रहा है। ऐसे में बहराइच जिले के जिम्मेदार अधिकारी इस मनमाने रवैये की तरफ ध्यान नहीं दे रहे हैं। अब देखना यह है कि डबल इंजन की सरकार में खबर प्रकाशित होने के बाद बहराइच जिले के जिम्मेदार अधिकारी होलसेल पान मसाला विक्रेताओं के ऊपर कब तक अंकुश लगा सकेंगे।

विधानसभा घेराव में लाठीचार्ज के विरोध में कांग्रेस का धरना–प्रदर्शन

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। दिनांक 17.02.2026 को आयोजित विधानसभा घेराव कार्यक्रम के दौरान अजय राय सहित कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेताओं एवं कार्यकर्ताओं पर हुए कथित पुलिसिया लाठीचार्ज के विरोध में दिनांक 19.02.2026 को जिला कलेक्ट्रेट परिषद, बलरामपुर में जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में शांतिपूर्ण धरना–प्रदर्शन आयोजित किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व जिला अध्यक्ष शिवलाल कोरी ने किया। वक्ताओं ने बताया कि लाठीचार्ज में प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के साथ–साथ अविनाश पांडे (राष्ट्रीय महासचिव एवं प्रदेश प्रभारी) तथा धीरज गुर्जर (राष्ट्रीय सचिव) भी चोटिल हुए। कई कार्यकर्ताओं को भी गंभीर चोटें आईं। जिला अध्यक्ष शिवलाल कोरी ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार पुलिस प्रशासन का दुरुपयोग कर विपक्ष की आवाज को दबा रही है, जिसे कांग्रेस पार्टी बर्दाश्त नहीं करेगी। आईसीसी सदस्य एवं पूर्व ब्लॉक प्रमुख राजबहादुर यादव ने दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की। पीसीसी सदस्य पंकज गुप्ता ने इसे लोकतंत्र पर हमला बताते हुए संघर्ष जारी रखने की बात कही। कांग्रेस नेता केदारनाथ पांडे ने संक्षिप्त रूप से कहा कि शांतिपूर्ण आंदोलन पर लाठीचार्ज सरकार की दमनकारी नीति को दर्शाता है और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से वरिष्ठ कांग्रेस नेता राम बहादुर दुबे, पूर्व प्रत्याशी उमाशंकर तिवारी, ब्लॉक अध्यक्ष भीष्म सिंह (उतरौला), ब्लॉक अध्यक्ष राकेश त्रिपाठी (हरैया), ब्लॉक अध्यक्ष विश्वनाथ यादव (श्रीदत्तगंज), ब्लॉक अध्यक्ष राजेश पांडे, अमेरिका कुरील, दिलशाद हुसैन, विशाल कश्यप, पृथ्वी नाथ गुजराती सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं नेता उपस्थित रहे।

गोवध मामले में दो गिरफ्तार

दैनिक बुद्ध का संदेश

गैसड़ी/बलरामपुर। पुलिस ने गोवध मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि 16 फरवरी को ग्राम बिशुनपुर कला के पास तालाब के किनारे बोरे में गोवंशीय पशु के अवशेष मिले थे। इस मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की थी। पुलिस अधीक्षक बलरामपुर विकास कुमार के निर्देश पर अपर पुलिस अधीक्षक विशाल पांडेय और क्षेत्राधिकारी तुलसीपुर डाक्टर जितेन्द्र कुमार के पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष दुर्विजय सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार लोगों में कलीम पुत्र वारिस अली निवासी बालापुर थाना कोतवाली जरवा जनपद बलरामपुर और बडकऊ उर्फ इमरान पुत्र चाँद अली उर्फ बमलहरी निवासी ग्राम हरखडी थाना पचपेडवा जनपद बलरामपुर शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, दोनों आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि उन्होंने 11 फरवरी को एक छुट्टा बछड़े को ले जाकर ग्राम लुधौरी में गन्ने के खेत में वध किया था और उसके मांस को आपस में बांट लिया था।

एमएलसी एवं भाजपा जिलाध्यक्ष ने राष्ट्रीय महासचिव एवं उपमुख्यमंत्री व प्रदेश अध्यक्ष का किया जोरदार स्वागत

दैनिक बुद्ध का संदेश

वाराणसी। विधान परिषद सदस्य एवं भाजपा जिलाध्यक्ष शिव प्रकाश भाई साहब ,किसान मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व सांसद सिंह ,प्रदेश उपाध्यक्ष दिनेश शर्मा ,सोशल मीडिया प्रदेश प्रभारी हर्ष चतुर्वेदी का पुष्प गुच्छ व अंगवस्त्र के साथ स्मृति चिन्ह देकर जोरदार स्वागत किया। इसके अलावा सर्किट हाऊस वाराणसी में केन्द्रीय राज्यमंत्री व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी व पुर्व केन्द्रीय मंत्री साध्वी निरंजन को अंगवस्त्र के साथ स्मृति चिन्ह देकर जोरदार स्वागत किया।इस दौरान प्रमुख रूप से पूर्व क्षेत्रीय अध्यक्ष महेश चंद्र श्रीवास्तव, शैलेश पांडेय, डॉ जेपी दुबे, पवन सिंह, सुधीर वर्मा उर्फ राजू , राम प्रकाश सिंह वीरू, विजेंद्र सिंह, राम प्रकाश दुबे इत्यादि लोग उपस्थित रहे।

हंसराज विश्वकर्मा ने पार्टी के पदाधिकारी के साथ गुरुवार को बाबतपुर वाराणसी एयरपोर्ट पर भाजपा राष्टीय महासचिव तरुण चुघ,राष्टीय सह संगठन महामंत्री राज कुमार चाहर,उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक व पूर्व प्रदेश अध्यक्ष व सदस्य विधान परिषद भूपेन्द्र चौधरी एवम् प्रदेश उपाध्यक्ष व विधायक पंकज

ब्राउन शुगर के साथ दो गिरफ्तार

दैनिक बुद्ध का संदेश

गैसड़ी/बलरामपुर। पुलिस और एसएसबी की संयुक्त टीम ने भारत–नेपाल सीमा पर चलाए जा रहे चेकिंग अभियान में 9.42 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक बलरामपुर विकास कुमार के निर्देश पर अपर पुलिस अधीक्षक विशाल पाण्डेय और क्षेत्राधिकारी तुलसीपुर डाक्टर जितेन्द्र कुमार के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक राकेश पाल के नेतृत्व में पुलिस टीम ने यह कार्रवाई की। गिरफ्तार लोगों में जुनैद रैनी पुत्र चाँद बाबू निवासी ग्राम बहादुरडीहवा रतनपुर झिगहा थाना जरवा जनपद बलरामपुर और विकाश बहादुर पुन्यवर पुत्र विष्णु पुन्यवर निवासी ग्राम गढवा बुद्धा ज्योति रोड थाना गढवा जनपद डांग राष्ट्र नेपाल शामिल हैं। पुलिस ने उनके पास से 9.42 ग्राम ब्राउन शुगर और एक मोटरसाइकिल बरामद की है। इस मामले में एनडीपीएस एक्ट पंजीकृत कर अभियुक्तों को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

ठगी की धनराशि रू19,468/- पीड़िता के खाते में वापस

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। साइबर अपराधों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में थाना अनपरा की साइबर टीम को महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। आवेदिका सुमन सोनी पत्नी प्रमोद सोनी निवासी आदर्शनगर थाना अनपरा जनपद सोनभद्र के साथ 02.09.2025 को अज्ञात व्यक्तियों द्वारा टेलीग्राम ऐप के माध्यम से "क्रिप्टो में पैसा डबल करने" का झांसा देकर कुल घ73,000/- की ठगी कर ली गई थी। पीड़िता द्वारा तत्काल साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 एवं छंजपवदंस ब्लइमत ब्तपउम त्मचवतजपदह च्वतजंस (बलइमतबतपउम.हवअ.पद) पर शिकायत दर्ज कराई गई। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय अनिल कुमार के मार्गदर्शन, क्षेत्राधिकारी पिपरी हर्ष पाण्डेय के पर्यवेक्षण तथा प्रभारी निरीक्षक थाना अनपरा सत्येन्द्र कुमार राय के नेतृत्व में साइबर टीम द्वारा एनसीआरपी पोर्टल का अवलोकन कर त्वरित कार्रवाई की गई। संबंधित बैंक खातों में ट्रांजेक्शन को होल्ड कराते हुए आवश्यक साक्ष्य एकत्र किए गए तथा बैंक शाखा से समन्वय स्थापित कर घ19,468/- (उन्नीस हजार चार सौ अड़सठ रुपये) की धनराशि सफलतापूर्वक पीड़िता के मूल बैंक खाते में वापस कराई गई। धनराशि वापस मिलने पर आवेदिका द्वारा पुलिस टीम के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

रांग साइड से चलने वाली गाडियों एवं सड़क किनारे खड़े वाहनों के विरुद्ध की गई प्रवर्तन की कार्यवाई

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन में जनपद में सुचारु यातायात व्यवस्था बनाए रखने हेतु चलाए जा रहे प्रवर्तन अभियान के क्रम में प्रभारी यातायात सोनभद्र श्री कृष्ण कुमार शुक्ला एवं यातायात पुलिस द्वारा थाना रॉबर्ट्सगंज क्षेत्रान्तर्गत सुकृत रोड के किनारे खड़े वाहन, रांग साइड से चलने वाले वाहन एवं बिना नंबर प्लेट/बिना वैद्य प्रपत्र के संचालित वाहनों के विरुद्ध सघन चेकिंग अभियान चलाकर प्रवर्तन की कार्यवाई की गई एवं बढ़ौली से सब्जी मंडी सर्विस रोड पर दो ऑटो चालक बिना वैध ड्राइविंग लाइसेंस के अवैध रूप से सवारी भरते पाए गए। इसके अतिरिक्त धर्मशाला से वाराणसी रोड सर्विस रोड पर दो डग्गामार ऑटो, जिनका स्टैंड फ्लाईओवर के नीचे नगर पालिका द्वारा निर्धारित है, निर्धारित स्थान के बजाय केंद्रीय सर्विस रोड पर सवारी भरते पाए गए, जिससे अनावश्यक जाम की स्थिति उत्पन्न हो रही थी। उक्त वाहनों में रांग साइड से चलने वाले वाहनों में 01 पिकप बिना वैद्य प्रपत्र को एवं 04 ऑटो वाहनों के विरुद्ध मोटर वाहन अधिनियम के अंतर्गत वैधानिक कार्यवाही करते हुए उन्हें सीज किया गया। जनपद पुलिस द्वारा यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी। आमजन से अपील है कि यातायात नियमों का पालन करें एवं निर्धारित स्थानों से ही वाहन संचालन/सवारी भरें, जिससे सुगम एवं सुरक्षित यातायात व्यवस्था सुनिश्चित की जा सके।'

मिशन शक्ति के तहत किया गया जागरूक

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। पुलिस द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं सशक्तिकरण के उद्देश्य से मिशन शक्ति 5.0 के तहत जनपद में व्यापक जागरूकता अभियान संचालित किया गया। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा' के निर्देशन में तथा 'क्षेत्राधिकारी यातायात डॉ. चारु द्विवेदी सहायक नोडल अधिकारी, मिशन शक्ति 5.0 के नेतृत्व में समस्त थाना क्षेत्रों में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए। विद्यालयों, महाविद्यालयों, कोचिंग संस्थानों, बाजारों एवं ग्राम सभाओं में महिलाओं एवं बालिकाओं के साथ संवाद स्थापित कर उन्हें सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्रदान की गईं। अभियान के दौरान गुड टच-बैड टच, आत्मरक्षा के सरल उपाय, महिला उत्पीड़न से संबंधित विधिक प्रावधानों, हेल्पलाइन सेवाओं एवं साइबर अपराधों से बचाव के उपायों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। ऑनलाइन फ्रॉड, फर्जी कॉल/लिंक, सोशल मीडिया दुरुपयोग, बैंकिंग धोखाधड़ी तथा व्ज्च साझा न करने के संबंध में विशेष सतर्कता बरतने की अपील की गई। पुलिस द्वारा यह भी स्पष्ट किया गया कि किसी भी प्रकार की छेड़छाड़, उत्पीड़न, घरेलू हिंसा या साइबर अपराध की स्थिति में तत्काल पुलिस अथवा संबंधित हेल्पलाइन नंबरों पर संपर्क करें। प्रत्येक शिकायत पर त्वरित एवं विधिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत महिला सुरक्षा को और सुदृढ़ करने के उद्देश्य से जनपद के विभिन्न बाजार क्षेत्रों में एसिड/तेजाब विक्रय करने वाली दुकानों पर विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान दुकानदारों को एसिड विक्रय से संबंधित विधिक प्रावधानों की जानकारी दी गई तथा बिना वैध अभिलेख/ पहचान पत्र के एसिड विक्रय न करने के निर्देश दिए गए। दुकानों के रजिस्टर, स्टॉक विवरण एवं सीसीटीवी व्यवस्था की जांच की गई। आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए भविष्य में नियमों के उल्लंघन पर कठोर वैधानिक कार्रवाई की चेतावनी दी गई।

फ्राड हुई धनराशि कुल 50,000/- रुपये उसके मूल खाते में वापस कराया गया

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। आवेदक अशोक कुमार साहू निवासी ग्राम बैलगाड़ी थाना जुगैल जनपद सोनभद्र के साथ - 30.11.2025 को अज्ञात व्यक्तियों द्वारा फोन पे के माध्यम से 50,000/- रुपये का फ्राड कर लिया गया था, जिसके सम्बन्ध में आवेदक द्वारा साइबर हेल्पलाइन नंम्बर 1930 व साइबर क्राईम पोर्टल बलइमतबतपउम.हवअ.पद के माध्यम से शिकायत दर्ज करायी गई थी। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा द्वारा साइबर अपराध एंव अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में एंव अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय अनिल कुमार के निर्देशन में व क्षेत्राधिकारी ओबरा अमित कुमार के पर्यवेक्षण में तथा थानाध्यक्ष जुगैल जितेंद्र कुमार के कुशल नेतृत्व मे थाना जुगैल की साइबर टीम द्वारा छब्त्च् पोर्टल का अवलोकन करके आवेदक की फ्राड हुई कुल धनराशि 50,000/- रुपये को सम्बन्धित खाते मे होल्ड कराया गया तथा छब्त्च् पोर्टल से आवश्यक साक्ष्य एकत्रित करके संबन्धित बैंक शाखा को जरिये ईमेल पत्राचार करके फ्राड खाते मे होल्ड कुल धनराशि 50,000/- रुपये उसके मूल बैंक खाते में सफलतापूर्वक वापस कराया गया। आवेदक द्वारा थाना जुगैल की साइबर टीम की भूरि-भूरि प्रशंसा की गई।

क्षेत्राधिकारी ओबरा व खान निरीक्षक की संयुक्त टीम द्वारा सघन चेकिंग में एक अभियुक्त गिरफ्तार व हाइवा वाहन किया गया सीज

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन में अवैध खनन एवं अवैध परिवहन के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार के पर्यवेक्षण में क्षेत्राधिकारी ओबरा अमित कुमार व खान निरीक्षक श्री अतुल दुबे की संयुक्त टीम द्वारा सघन चेकिंग की गई। चेकिंग के दौरान बग्गा नाला के समीप वाहन संख्या न्च्64ब्ज्2945 हाइवा में लगभग 25 घन मीटर अवैध गिट्टी का परिवहन करते हुए पाया गया। टीम को देखकर वाहन चालक मौके से फरार हो गया। वाहन के खलासी द्वारा पूछताछ में बताया गया कि उक्त गिट्टी सोनभद्र माइनिंग वर्क्स, ओबरा से लोड की गई थी। खान निरीक्षक अतुल दुबे की लिखित तहरीर के आधार पर थाना ओबरा पर मु0अ0सं0-34/2026 धारा 303(2), 317(2), 285 बीएनएस एवं धारा 4/21 खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम तथा धारा 3 सार्वजनिक संपत्ति निवारक अधिनियम के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत किया गया है। अभियुक्त चालक मनोज पाल पुत्र राजेन्द्र पाल निवासी रेही थाना घोरावल जनपद सोनभद्र, सह चालक संदीप पाल पुत्र संजय पाल निवासी उपरोक्त तथा सोनभद्र माइनिंग वर्क्स के मालिक नाम पता अज्ञात एवं वाहन स्वामी नाम पता अज्ञात के विरुद्ध विधिक कार्यवाही की जा रही है। सह चालक को पुलिस हिरासत में लेकर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही प्रचलित है तथा फरार चालक की गिरफ्तारी हेतु प्रयास जारी हैं।

03 वर्षीय मासूम को सुरक्षित परिवार से मिलाया

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। पुलिस की संवेदनशील एवं त्वरित कार्यवाही के परिणामस्वरूप 03 वर्षीय बालिका को सकुशल उसके परिजनों से मिलाया गया। गुरुवार को थाना ए.एच.टी. जनपद सोनभद्र को सूचना प्राप्त हुई कि एक लगभग 03 वर्षीय बालिका पुलिस लाइन तिराहा मेन रोड के पास अकेली भटकती हुई मिली है। सूचना प्राप्त होते ही थाना ए.एच.टी. की टीम एवं चाइल्ड लाइन 1098 के सदस्यों द्वारा तत्काल मौके पर पहुँचकर बालिका को सुरक्षित संरक्षण में लिया गया। टीम द्वारा आसपास के क्षेत्रों में पूछताछ एवं आवश्यक खोजबीन की गई। सतत प्रयासों के उपरांत ज्ञात हुआ कि उक्त बालिका मूल रूप से अनपरा क्षेत्र की निवासिनी है तथा अपनी बुआ के साथ चुर्क आई हुई थी। प्रातःकाल खेलते-खेलते वह अनजाने में घर से दूर निकल गई थी। सभी आवश्यक औपचारिकताएं पूर्ण करने के उपरांत बालिका को सकुशल उसके परिजनों के सुपुर्द किया गया। बालिका को सुरक्षित पाकर परिजनों ने पुलिस एवं चाइल्ड लाइन टीम के प्रति आभार व्यक्त किया। प्रभारी निरीक्षक थाना ए.एच.टी. माधव सिंह ने बताया कि यदि किसी को कोई लापता/गुमशुदा/भटका हुआ बालक या बालिका मिले तो तत्काल थाना ए.एच.टी. के सीयूजी मोबाइल नंबर 9454404294 अथवा चाइल्ड हेल्पलाइन के टोल फ्री नंबर 1098 पर सूचना दें।' आपका एक छोटा सा प्रयास किसी मासूम को उसके परिवार से मिलाने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है।

पिता समेत दो सगे भाइयों पर मारपीट का मुकदमा दर्ज

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। शक्तिनगर थाना क्षेत्र के कोटा बस्ती में बीते 15 फरवरी को हुए दो पक्षों के मारपीट में पुलिस ने एक पक्ष के तीन लोग के खिलाफ मारपीट का मुकदमा दर्ज कर विवेचना शुरू कर दिया है। कोटा बस्ती निवासी राजकुमार पुत्र विजय कुमार सिंह ने पुलिस को दिए तहरीर में बताया कि बीते 15 फरवरी को 10रू00 बजे मैं घर पर मौजूद था। पड़ोसी आकाश पुत्र संजय चंद्रवंशी द्वारा पत्नी को लेकर मारपीट कर रहा था कि भाई पीयूष द्वारा समझाया जा रहा था की आकाश द्वारा गाली गलौज करते हुए अपने भाई पवन और पिता संजय को बुला लिया। जिससे तीनों ने मिलकर गाली-गलौज कर मारपीट किया गया जिससे भाई पीयूष को दाहिने हाथ और प्रार्थी को दाहिने हथेली पर चोट आई है। मारपीट में शामिल आकाश,पवन और उसके पिता संजय ने जाते-जाते जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप लगाया है। पुलिस ने पिता समेत दो सगे भाइयों के खिलाफ मारपीट का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दिया है।

बड़े भाग्य से मानव तन मिलता है,कथा वाचिका कंचन चौबे

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। घोरावल ब्लॉक के नोनी सरवट गांव में शिव हनुमान मंदिर प्रांगण में आयोजित 9 कुंडीय गायत्री महायज्ञ के चौथे दिन बृहस्पतिवार को प्रवचन सुनने और महायज्ञ में हवन पूजन करने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। व्यासपीठ से प्रवचन करते हुए शांतिकुंज हरिद्वार धाम से आई कथा वाचिका कंचन चौबे ने गायत्री मंत्र की महिमा का वर्णन करते हुए कहा कि इसके जप में लोक परलोक दोनों का कल्याण होता है। उन्होंने कहा कि इस संपूर्ण ब्रह्मांड में विभिन्न जीव जंतुओं प्राणियों की कल 84 लाख योनियां मानी जाती है। इन योनियों में मानव शरीर सबसे दुर्लभ है। बड़े भाग्य से मनुष्य योनि प्राप्त होती है, जो देवताओं के लिए भी दुर्लभ है। मनुष्य शरीर हमें इसलिए मिलता है ताकि हम इस जीवात्मा का कल्याण कर सके और आत्म साक्षात्कार कर जीवन मरण के बंधन से मुक्त हो जाए। मनुष्य का कल्याण उसके सद्कर्मों और सद्विचारों में निहित है। हमें प्रेम, सत्य, अहिंसा, धर्म, करुणा इत्यादि मानवीय मूल्यों को आत्मसात करना चाहिए। उन्होंने कहा कि सभी धर्मग्रंथों, महाकाव्यों व पुराणों का सार तत्व यही है कि परोपकार से बड़ा कोई धर्म नहीं है और दूसरों को पीड़ा पहुंचाने से बड़ा कोई पाप नहीं है। इस अवसर पर भजन संध्या में श्रद्धालुगण झूम उठे। प्रतिदिन की तरह सुबह बड़ी संख्या में श्रद्धालुओ ने यज्ञ मंडप की परिक्रमा की और भंडारे में महाप्रसाद ग्रहण किया। इस मौके पर ओंकारनाथ सिंह, चंद्रपाल, पारसनाथ, परमेश्वर, काशीनाथ, मंगल सिंह, रामआसरे, राधारमण सिंह, मनोज कुमार, रामेश्वर, जगदीश, लोकनाथ, कृष्णकुमार, हरिशंकर, रामसूरत, जालिम सिंह इत्यादि मौजूद रहे।

जनता दर्शन में पुलिस अधीक्षक ने फरियादियों की सुनी समस्या

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा द्वारा पुलिस कार्यालय में गुरुवार को आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम के दौरान जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों से आए फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता, संवेदनशीलता एवं पूर्ण धैर्य के साथ सुना गया। जनता दर्शन में उपस्थित नागरिकों द्वारा भूमि विवाद, पारिवारिक विवाद, मारपीट, गुमशुदगी, साइबर धोखाधड़ी, राजस्व एवं आपसी विवादों सहित अन्य पुलिस संबंधी समस्याओं से अवगत कराया गया। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र ने प्रत्येक प्रकरण को व्यक्तिगत रूप से सुनते हुए संबंधित क्षेत्राधिकारी/थाना प्रभारी को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के स्पष्ट निर्देश दिए। उन्होंने निर्देशित किया कि सभी शिकायतों पर गुणवत्ता पूर्ण जांच करते हुए पीड़ित पक्ष को संतोषजनक कार्यवाही से अवगत कराया जाए तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही, विलंब या अनावश्यक उत्पीड़न कतई स्वीकार नहीं किया जाएगा। जिन प्रकरणों में त्वरित हस्तक्षेप अपेक्षित है, उनमें तत्काल प्रभाव से विधिक कार्यवाही सुनिश्चित करने के आदेश भी दिए गए। पुलिस अधीक्षक द्वारा यह भी कहा गया कि जनता दर्शन केवल शिकायत सुनने का माध्यम नहीं, बल्कि पुलिस और जनता के बीच विश्वास, पारदर्शिता एवं जवाबदेही को मजबूत करने का एक सशक्त मंच है। आमजन की समस्याओं का समयबद्ध समाधान ही पुलिस की प्राथमिकता है।

कलश यात्रा में उमड़ा श्रद्धालुओं का जनसैलाब

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। विंढमगंज थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत मुडिसेमर में सतत वाहिनी नदी के तट पर स्थित प्राचीन शिव मंदिर पर बाबा वेद मोहनदास ब्रह्मचारी के नेतृत्व में महा विष्णु यज्ञ व नवाह पारायण में गुरुवार सुबह 10:00 बजे के लगभग 1 किलोमीटर लंबी लाइन लगाकर यजमान डोमन कुशवाहा, भगवान यादव, रामजन्म कुशवाहा, विद्यानंद यादव, विजय चौरसिया, कमलेश पाल, राजकुमार कुशवाहा के साथ पूर्व विधायक हरिराम चेरो सहित क्षेत्र के हजारों महिला पुरुषों ने कलश यात्रा में भाग लिया। सर पर लिए कलश में बाबा डीहवार से सट्टे छट्ठ घाट पर वैदिक मंत्र उच्चारण के साथ जल भरकर पुनः जय श्री राम, यज्ञ भगवान की जय के जोरदार नारा ध्वनि विस्तारक यंत्र पर लगाते हुए यज्ञशाला में पहुंच कर कलश की स्थापना की। बाबा वेद मोहनदास ब्रह्मचारी में कहा कि सर्व मंगल की कामना करते हुए स्थानीय श्रद्धालु और ग्रामीणों के सहयोग से दूसरी बार महा विष्णु यज्ञ व नवाह पारायण का आयोजन प्राचीन शिव मंदिर मुडिसेमर पर किया गया है आज यज्ञ के प्रथम दिन क्षेत्र के हजारों श्रद्धालुओं के साथ कलश यात्रा यज्ञशाला से निकलकर मुडिसेमर मार्ग, मां काली मंदिर रोड, बैंक रोड, सब्जी मंडी, साहू चौक, हवाई गली, हलवाई चौक से होते हुए भारतीय इंटरमीडिएट कॉलेज के खेल मैदान से सटे छठ घाट पर बाहर से आए विद्वान ब्राह्मणों के द्वारा वैदिक मंत्रों उच्चारण के पश्चात यज्ञ में भाग लिए हुए यजमान व हजारों श्रद्धालुओं ने कलश में जल की स्थापना करके यज्ञ शाला में स्थापित किया गया है पूरे यज्ञ के दौरान विद्वान ब्राह्मणों के द्वारा प्रतिदिन प्रवचन तथा रात्रि में रासलीला के साथ-साथ विशाल भंडारे का भी आयोजन किया गया है। जल यात्रा के दौरान यज्ञ समिति के दर्जनों कार्यकर्ताओं के साथ-साथ स्थानीय पुलिस पूरे मुस्तादी के साथ श्रद्धालुओं की निगरानी कर रहे थे।

अग्निवीर भतह्न रैली में के युवाओं के लिए भारतीय सेना में शामिल होने का सुनहरा अवसर

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह ने अवगत कराया है कि अग्निवीर भर्ती रैली के लिए आधिकारिक अधिसूचना जारी कर दी गई है। ऑनलाइन पंजीकरण 13 फरवरी 2026 से 01 अप्रैल 2026 तक खुला है। आवेदन करने वाले उम्मीदवारों की आयु 17 वर्ष 6 माह से 22 वर्ष के बीच होनी चाहिए जन्म तिथि 01 जुलाई 2005 से 01 जुलाई 2009 के बीच। इच्छुक उम्मीदवार भारतीय सेना की आधिकारिक वेबसाइट ूरवपदपदकपंदंतउल.दपब.पद पर जाकर पंजीकरण कर सकते हैं। शैक्षणिक योग्यता अग्निवीर सामान्य ड्यूटी 10वीं/मैट्रिक पास कुल 45 प्रतिशत अंकों के साथ और प्रत्येक विषय में न्यूनतम 33 प्रतिशत अंक अनिवार्य)। जिनके पास ड्राइविंग लाइसेंस (स्डट/भ्डट) है, उन्हें चालक पद के लिए वरीयता दी जाएगी। अग्निवीर (तकनीकी) 10+2/इंटरमीडिएट (विज्ञान संकाय - भौतिकी, रसायन, गणित और अंग्रेजी में न्यूनतम 50 प्रतिशत कुल अंकों के साथ उत्तीर्ण होना चाहिए, जिलाधिकारी ने जिले के सभी पात्र युवाओं से इस अवसर का लाभ उठाने का आह्वान किया है, इस वर्ष भी अधिक से अधिक युवा देश सेवा के इस गौरवशाली मार्ग को चुनें।

अपर आयुक्त ने दुद्धी तहसील का किया निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का संदेश

दुद्धी/सोनभद्र। विंध्याचल मंडल के अपर आयुक्त राजकुमार द्विवेदी ने बुधवार की दोपहर तहसील मुख्यालय स्थित उपजिलाधिकारी कार्यालय/न्यायालय एवं तसीलदार कार्यालय/न्यायालय सहित मुकदमों के निस्तारण एवं पेंडिंग पत्रावलियों ,पत्रावलियों के रखरखाव ,धारा 116 एवं 24 के 2023 से अब तक के पत्रावलियों,धारा 76 सहित अन्य पत्रावलियों का गंभीरता से करीब दो से ढाई घंटे में निरीक्षण किया।इसके उपरांत उन्होंने संग्रह अमीन कार्यालय ,नजारत के रजिस्टर नंबर 4, अहलमद कार्यालय के माल एवं फौजदारी आदि कार्यालय एवं उनमें रखे पत्रावलियों आदि का निरीक्षण किया। इस दौरान उपजिलाधिकारी निखिल यादव न्यायिक उपजिलाधिकारी अश्वनी कुमार तहसीलदार अंजनी गुप्ता नायब तहसीलदार ओपी सिंह एवं ज्ञानेंद्र कुमार आदि उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक:- श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स, ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट-हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद-सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं मकान नं. 203 निकट बी.एस.एन.एल. टावर खलवा मोहल्ला, नगर पालिका परिषद बलरामपुर, जनपद- बलरामपुर, उ0प्र0-271201 से प्रकाशित । आर.एन.आई. नं0- UPHIN/2021/86502 । सम्पादक- राजेश कुमार शर्मा
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद-सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

अल्लू अर्जुन की फिल्म एए23 में होगी श्रद्धा कपूर की एंट्री? सामने आई ये जानकारी

साउथ सुपरस्टार अल्लू अर्जुन आने वाले दिनों में कई फिल्मों के जरिए पर्दे पर धमाका करते दिखेंगे। एक तरफ उनकी फिल्म

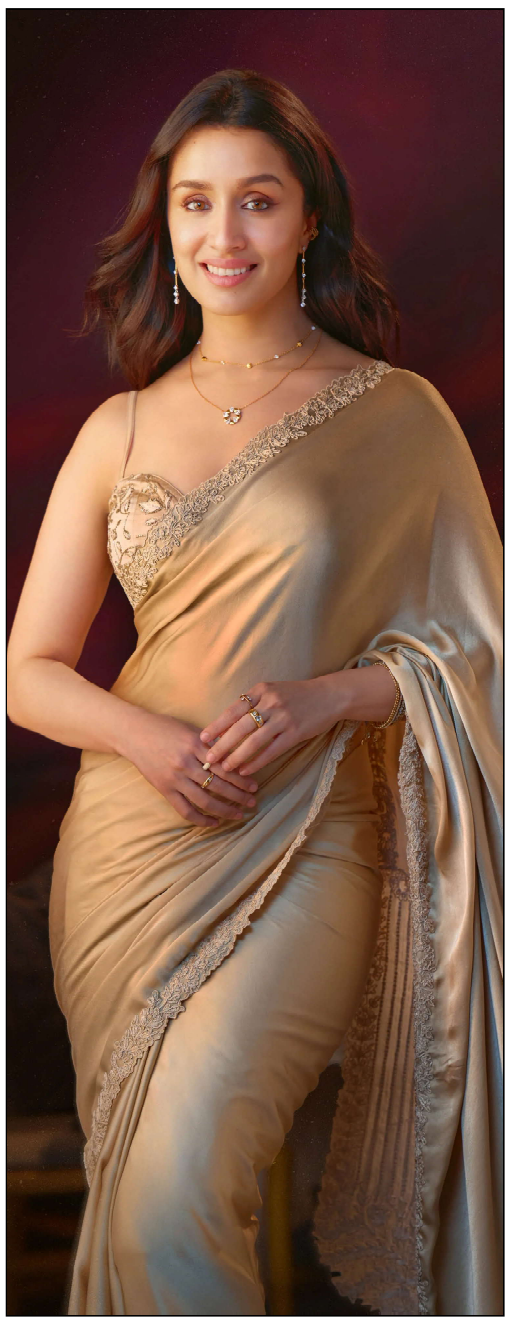

फिल्म एए22–ए6 का इंतजार किया जा रहा है जिसका निर्देशन एटली कर रहे हैं। इसमें उनके साथ दीपिका पादुकोण मुख्य किरदार में दिखाई देंगी। दूसरी तरफ अल्लू अपनी दूसरी फिल्म एए23 को लेकर चर्चा में हैं जिसका आधिकारिक ऐलान कुछ दिन पहले किया गया था। लोकेश कनगराज के निर्देशन में बनने वाली इस फिल्म पर बड़ा अपडेट आया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, एक्शन से भरपूर फिल्म एए23 में अल्लू के साथ बॉलीवुड अभिनेत्री श्रद्धा कपूर को कास्ट किया जा सकता है। सोशल मीडिया पर यह चर्चाएं लोगों का खूब ध्यान खींच रही हैं। निर्माताओं ने भले आधिकारिक तौर पर ऐलान न किया हो लेकिन फैंस इस फ्रेश जोड़ी को एक साथ देखने के लिए अभी से उत्साहित हो रहे हैं। बता दें कि एए23 फिल्म का अस्थायी नाम है, जिसका शीर्षक अभी तय नहीं हुआ है।

अर्जुन और लोकेश के सहयोग वाली फिल्म एए23 का आधिकारिक ऐलान 14 जनवरी को किया गया था। निर्माता मैत्री मूवी मेकर्स ने सोशल मीडिया पर छोटा सा टीजर वीडियो जारी किया था और बताया था कि फिल्म की शूटिंग इसी साल 2026 से शुरू होगी। फिल्म के संगीत की जिम्मेदारी अनिरुद्ध रविचंदर संभालेंगे। पुष्पा फ्रैंचाइजी की तरह अल्लू की एए23 भी एक पैन इंडिया फिल्म होगी जिसके लिए निर्माताओं ने तैयारी शुरू कर दी है।

दांतों के लिए साइलेंट किलर है सडन, जानें कब बढ़ सकती है दांतों से जुड़ी समस्याएं

दांतों में दर्द की परेशानी या सूजन की समस्या पर सभी ध्यान देते हैं, लेकिन सडन दांतों के लिए साइलेंट किलर की तरह काम करती है। बाहर से चमकदार दिखने वाले दांतों के अंदर कब धीरे–धीरे छेद बन जाता है, ये पता ही नहीं चलता और जब चलता है, तब तक सडन दांतों को घेर चुकी होती है। दांतों में सडन की समस्या से असहनीय दर्द होता है और ये धीरे–धीरे सारे दांतों को

संक्रमित कर देती हैय ऐसे में दांतों की देखभाल करना बहुत जरूरी है। दांतों में सडन की प्रक्रिया बहुत धीमी गति से होती है और इसके लक्षण भी नजर नहीं आते हैं। दर्द के बाद पता चलता है कि दांतों में सडन हो चुकी है। दांतों में सडन के बहुत सारे कारण हो सकते हैं, जैसे ज्यादा मीठा खाना, सही तरीके से ब्रश और कुल्ला न करना, मुंह में लार में कमी होना, कैल्शियम और विटामिन डी की कमी, साथ ही रात में बिना ब्रश किए सो जाना। ये सभी कारण दांतों में सडन पैदा करने के लिए काफी हैं।

आयुर्वेद में दांतों की सडन से बचने के लिए और मसूड़ों की मजबूती के लिए कई घरेलू उपाय बताए गए हैं, जिन्हें घर बैठे आराम से कर सकते हैं। पहला है लौंग के तेल का इस्तेमाल। लौंग का तेल दांतों के दर्द और बैक्टीरिया को कम करने का काम करता है, जिससे सडन की प्रक्रिया कम हो जाती है। इसके लिए रात के समय लौंग के तेल को कुछ समय के लिए दांतों पर लगाकर छोड़ दें और पानी से साफ कर लें।

दूसरा है नीम से दातुन या कुल्ला। नीम प्राकृतिक एंटी बैक्टीरियल है, जो दांतों से बैक्टीरियल संक्रमण को कम करने में मदद करता है। वहीं नीम की दातुन भी दांतों के स्वास्थ्य के लिए लाभकारी होती है। तीसरा है नारियल तेल से ऑयल पुलिंग। ऑयल पुलिंग दांतों के कोनो–कोनों में जाकर गंदगी को साफ करने का काम करती है और दांतों पर लगे पीलेपन को साफ करती है। इसके लिए तेल को मुंह के अंदर 5 मिनट के लिए घुमाएं और फिर कुल्ला कर लें।

चौथा है नमक और सरसों के तेल का मिश्रण। नमक और सरसों के तेल का मिश्रण दांतों के दर्द में राहत देता है और दांतों में पनप रहे बैक्टीरिया का भी नाश करता है। हफ्ते में तीन बार इस मिश्रण को लगाने से दांतों से पीलापन भी कम हो जाता है। इन नुस्खों के अलावा, आहार में बदलाव भी जरूरी हैं।

आहार में कैल्शियम और विटामिन डी शामिल करें। कैल्शियम और विटामिन डी दोनों मिलकर दातों को मजबूती देते हैं और मसूड़ों से खून आने की समस्या भी कम होती है। इसके साथ ही दांतों के लिए विटामिन सी भी जरूरी हैय इसके लिए दिन में एक समय किसी खट्टे फल का सेवन जरूर करें। यह भी दांतों के स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है।

नीलम गिरी को मिला द 50 का गोल्डन टिकट, लॉयन के महल में भोजपुरी क्वीन की एंट्री

भोजपुरी सिनेमा की मशहूर अभिनेत्री नीलम गिरी बिग बॉस 19 के बाद अब रियलिटी शो द 50 में जाने वाली हैं। इस बात की जानकारी उन्होंने खुद सोशल मीडिया के जरिए

दी। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें उन्होंने पुष्टि करते हुए कहा, ये आ गया मेरा द 50 का गोल्डन टिकट और मुझे बुलावा आ गया है लॉयन के महल में जाने के लिए। अब मैं जा रही हूं शॉपिंग के लिए। आप लोग द 50 1 फरवरी से जियो हॉटस्टार और कलर्स पर देख सकते हैं। अभिनेत्री ने वीडियो के साथ लिखा, बिग बॉस 19 के बाद जियो हॉटस्टार और कलर्स के साथ फिर जुड़ना मेरे लिए बहुत खुशी की बात है, लेकिन इस बार एक बिल्कुल नए रियलिटी शो द 50 के साथ।

उन्होंने लिखा, बिग बॉस के घर में मेरा सफर बहुत शानदार रहा। दर्शकों ने मुझे खूब प्यार दिया, खासकर सीधा जाकर लेफ्ट लें और चाय बनाना जैसे पलों के लिए। अब कुछ नया शुरू करने को लेकर मैं काफी उत्साहित हूं। उम्मीद है यहां भी ऐसे कई यादगार पल बना पाऊंगी। मैं इस नए चौलेंज और मुकाबले के लिए पूरी तरह तैयार हूं और द 50 में अपना पूरा दम लगाऊंगी।

उन्होंने आखिरी में लिखा, द 50 1 फरवरी से जियोहॉटस्टार पर, एक नई शुरुआत का समय है, द 50, मैं आ रही हूं।

शो द 50 एक बड़ा रियलिटी गेम शो है, जिसमें 50 मशहूर हस्तियां एक महल में रहकर अलग–अलग चुनौतियों में हिस्सा लेंगी। इसमें स्ट्रैटेजी, टास्क, ड्रामा और माइंड गेम्स का पूरा पैकेज होगा।

शो के कुछ कंटेस्टेंट के नाम सामने आ चुके हैं, तो कुछ के नामों को लेकर अभी खुलासा नहीं हुआ है। अब देखना होगा कि इतने सेलेब्स के साथ यह शो दर्शकों के लिए कैसा रहेगा।

शो में करण पटेल, फैसल शेख (मिस्टर फैसू), दिव्या अग्रवाल, अर्चना गौतम, प्रिंस नरूला, मोनालिसा और उनके पति विक्रांत सिंह राजपूत और प्रतीक सहजपाल, ऋद्धि डोगरा और उर्वशी ढोलकिया समेत कई कंटेस्टेंट नजर आएंगे।

सर्दियों के लिए बेहतरीन है ऊनी बेरेट, इन 5 तरीकों से बनाएं स्टाइल का हिस्सा

सर्दियों में ठंड से बचने और खास दिखने के लिए लोग ऊनी बेरेट पहनना पसंद करते हैं। यह न केवल सिर को गर्म रखती है, बल्कि आपके पूरे लुक को भी खास बना सकती है। ऊनी बेरेट में कई डिजाइन और रंग उपलब्ध रहते हैं, जो आपके व्यक्तित्व को उभारने में मदद कर सकते हैं। इस लेख में हम कुछ बेहतरीन ऊनी बेरेट स्टाइल्स पर चर्चा करेंगे, जो कपड़ों की अलमारी में शामिल करने लायक हैं।

क्लासिक सुनहरी बेरेटः क्लासिक सुनहरी बेरेट हर किसी के पास होनी ही चाहिए। यह किसी भी पोशाक के साथ आसानी से मेल खा सकती है, चाहे वह सूट हो या जींस। सुनहरी रंग की बेरेट आपको एक शाही अंदाज दे सकती है और इसे आप किसी भी रंग के कपड़ों के साथ पहन सकती हैं। इसे आप सफेद या काले रंग के सिंपल कपड़ों पर स्टाइल कर सकती हैं। इससे साधारण कपड़े भी खास लगने लगेंगे और आपका लुक निखर जाएगा।

लाल रंग की बेरेटः लाल रंग की बेरेट सर्दियों में एक अलग ही सुंदरता दे सकती है। इस रंग वाली बेरेट हर रंगत वाली महिला पर अच्छी लगती है। लाल रंग की बेरेट को आप सफेद या लाल रंग की पोशाक के साथ आसानी से स्टाइल कर सकती हैं। यह खास तौर से ड्रेस या स्कर्ट टॉप के साथ कमाल की लगेगी। इसे महिलाएं क्रिसमस और वैलेंटाइन डे जैसे खास मौकों पर स्टाइल करना बहुत पसंद करती हैं।

नीली रंग की बेरेट

नीली रंग की बेरेट भी एक सुंदर विकल्प हो सकता है, जो आपको एक अलग ही अंदाज देगा। इसे आप किसी भी रंग के कपड़ों के साथ मिलाकर पहन सकती हैं। हालांकि, यह सफेद, काले या ग्रे रंग की पोशाक के साथ सबसे ज्यादा अच्छी लगती है। आप जींस टॉप और स्वेटर वेस्ट के साथ इसे स्टाइल कर सकती हैं या फिर ड्रेस और लेगिंग के साथ भी इसका मेल बैठा सकती हैं।

क्रीम रंग की बेरेट

क्रीम रंग की बेरेट एक बहुत ही सुंदर लुक देती है, जो सर्दियों में बहुत ही खास लगता है। हल्का होने की वजह से इसका रंग ज्यादातर कपड़ों के साथ अच्छा लग सकता है। खास तौर से क्रीम, भूरी या फिर गुलाबी रंग की पोशाक के साथ इसका मेल वाकई जबरदस्त लगता है। आप नारंगी और पीच रंग के कपड़ों के साथ भी क्रीम रंग की बेरेट को स्टाइल कर सकती हैं।

काले रंग की बेरेट

काले रंग की बेरेट हमेशा से ही फैशन में रही है और यह एक सदाबहार रंग है। इसे आप किसी भी प्रकार की पोशाक के साथ पहन सकती हैं, चाहे वह हल्के रंग की हो या फिर गहरे रंगों वाली हो। काले रंग की बेरेट हर मौके पर पहनी जा सकती है और इसमें आपको एक क्लासी लुक मिल सकता है। इसका मेल खास तौर से लाल, मेहरून, ग्रे, नीले, गुलाबी या फिर सफेद कपड़ों के साथ जंचता है।